वर्ष 24, अंक 180, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | गुरूवार 8 जनवरी 2025 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

2026 की शुरूआत ISRO PSLV-C62 मिशन से करेगा

12 जनवरी को श्रीहरिकोटा से लॉन्चिंग

श्रीहरिकोटा

इसरो नए साल के अपने पहले प्रक्षेपण की तैयारी में जुट गया है। पीएसएलवी-सी62 मिशन 12 जनवरी को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से उड़ान भरने वाला है। इसरो के एक अधिकारी के अनुसार, मिशन का मुख्य पेलोड ईओएस-एन1 है, जो रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा रणनीतिक उद्देश्यों के लिए विकसित एक इमेजिंग उपग्रह है। इसरो ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पीएसएलवी-सी62 मिशन का प्रक्षेपण 12 जनवरी 2026 को भारतीय समयानुसार 10:17 बजे एसडीएससी एसएचएआर, श्रीहरिकोटा के प्रथम प्रक्षेपण पैड (एफएलपी) से निर्धारित है। रॉकेट अपने साथ एक छोटा प्रायोगिक उपकरण, केस्ट्रेल इनिशियल डेमोंस्ट्रेटर (केआईडी) भी ले जाएगा। एक स्पेनिश स्टार्टअप द्वारा विकसित, केआईडी रॉकेट के पीएस-4 चरण से जुड़ा रहेगा। इसके अलावा, सूत्रों ने पुष्टि की है कि भारत, मॉरीशस, लक्जमबर्ग, यूएई, सिंगापुर, यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के स्टार्टअप और अनुसंधान संस्थानों से 17 वाणिज्यिक पेलोड इस उड़ान के लिए भेजे जाने की पुष्टि की गई है।

अंतरिक्ष प्रेमी एसडीएससी एसएचएआर, श्रीहरिकोटा स्थित लॉन्च व्यू गैलरी से लॉन्च का सीधा प्रसारण देख सकते हैं। पंजीकरण ऑनलाइन lvg.shÔr.gov.i»»f पर

उपलब्ध है। इसरो आगंतुकों को सलाह देता है कि वे त्वरित और सुगम पंजीकरण प्रक्रिया के लिए सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस), मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी तैयार रखें। यह आगामी मिशन 2025 के बेहद सफल समापन के बाद आ रहा है। 24 दिसंबर को, इसरो ने एलवीएम3-एम6 मिशन का प्रक्षेपण किया, जिसके तहत ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया गया। यह अंतरिक्ष यान एलवीएम3 रॉकेट द्वारा निम्न पृथ्वी कक्षा (एलईओ) में स्थापित किया गया अब तक का सबसे भारी पेलोड है।

223 वर्ग मीटर के विशाल फेज्ड ऐरे एंटीना से सुसज्जित, यह एलईओ में स्थापित किया गया अब तक का सबसे बड़ा वाणिज्यिक संचार उपग्रह भी है।

एलवीएम3 अपनी विश्वसनीयता को लगातार साबित कर रहा है, जिसने पहले चंद्रयान-2, चंद्रयान-3 और दो वनवेब नक्षत्रों जैसे महत्वपूर्ण मिशनों का प्रक्षेपण किया है। 24 दिसंबर की सफलता एलवीएम3-एम5/सीएमएस-03 मिशन के तुरंत बाद मिली, जो 2 नवंबर, 2025 को सफलतापूर्वक पूरा हुआ था।

DK शिवकुमार, सचिन पायलट, कन्हैया कुमार, बघेल...

चुनावों से पहले कांग्रेस ने बनाई बड़ी टीम, इन्हें मिली जिम्मेदारी

तमिलनाडु

आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस ने कमर कस ली है. पार्टी ने असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के लिए चुनाव प्रबंधन को मजबूत करते हुए सीनियर ऑब्जर्वर और ऑब्जर्वर की नियुक्ति कर दी है. कांग्रेस नेतृत्व ने राज्यों में संगठन को एक्टिव मोड में लाने और जमीनी स्तर पर रणनीति को धार देने के लिए यह अहम फैसला लिया है. असम विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष प्रियंका गांधी वाड्रा को बनाया है. वही छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को वरिष्ठ चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है.

असम विधानसभा चुनाव

सीनियर ऑब्जर्वरः भूपेश बघेल

ऑब्जर्वरः डी.के. शिवकुमार

बंगाल विधानसभा चुनाव

पश्चिम बंगाल का चुनाव कांग्रेस के लिए सबसे ज्यादा चुनौती भरा होने वाला है. पार्टी यहां अपनी खोई जमीन तलाशने के लिए बड़े नेताओं की टीम बनाई है. पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बंगाल की 92 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन उसके एक भी प्रत्याशी नहीं जीत पाए.

बंगाल में इस समय कांग्रेस के पास एक भी सीट नहीं है. बंगाल में कांग्रेस ने सुदीप राय बर्मन, शकील अहमद खान, प्रकाश जोशी को प्रवेक्षक पर बनाया है. राज्य में संगठन को दोबारा खड़ा करने और बूथ लेवल तक नेटवर्क मजबूत करने के लिए तीन वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षक बनाया गया है.

तमिलनाडु के लिए इन नेताओं को मिली जिम्मेदारी

तमिलनाडु में सहयोगी दलों के साथ तालमेल और सीट शेयरिंग को लेकर वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक और तेलंगाना के नेता उत्तम कुमार रेड्डी को अहम भूमिका दी गई है.

केरल विधानसभा चुनाव

केरल में युवा नेतृत्व और आक्रामक कैंपेन रणनीति के लिए पार्टी ने सचिन पायलट और कन्हैया कुमार जैसे चेहरों को जिम्मेदारी सौंपी है. वहीं के.जे. जॉर्ज और इमरान प्रतापगढ़ी संगठनात्मक मजबूती पर फोकस करेंगे.

ऑब्जर्वर के नाम

सचिन पायलट

के.जे. जॉर्ज

इमरान प्रतापगढ़ी

कन्हैया कुमार

क्यों अहम है ये नियुक्तियां?

पार्टी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस इस बार केवल चुनाव नहीं, बल्कि संगठन की री-बिल्डिंग की रणनीति पर भी काम कर रही है. पर्यवेक्षकों को सीधे फीडबैक, टिकट वितरण की रिपोर्ट और गठबंधन समन्वय की जिम्मेदारी भी दी गई है. साफ है कि कांग्रेस इस बार चुनावी मैदान में फुल प्लानिंग मोड में उतरने की तैयारी कर चुकी है।

प्रयागराज: ज्वेलर्स की दुकान में लूट, चार महिलाओं ने उड़ाए 14 लाख के आभूषण

प्रयागराज

प्रयागराज के सिविल लाइंस इलाके में ज्वैलर्स की दुकान से चोरी का मामला सामने आया है. कल्याण ज्वैलर्स के शोरूम में चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई. 4 महिलाओं ने 14 मिनट में करीब 14 लाख रुपए के गहने चुरा लिए.

महिलाएं छोटे-छोटे बच्चों के साथ शोरूम में पहुंची थीं, ताकि किसी को शक न हो उनमें से एक महिला ने ज्वैलरी खरीदने के बहाने सेल्समैन को अपनी बातों में उलझाया. बाकी महिलाएं पास में ही गहनों वाले काउंटर के पास लगी कुर्सियों पर बैठ गईं. जब सेल्समैन गहने दिखाने में बिजी हो गया तो मौका पाकर एक महिला ने सोने की ईयररिंग से भरा डिस्प्ले पैड उठा लिया.

सीसीटीवी में कैद हुई चोरी की घटना

महिला ने डिस्प्ले पैड अपनी बाईं ओर बैठी दूसरी महिला को सौंप दिया. जिसे उसने अपनी शॉल में छिपा लिया. यह पूरी वारदात शोरूम में लगे उउळश कैमरे में कैद हो गई. चोरी का उउळश वीडियो अब सामने आया है.

मामले में शोरूम के मैनेजर की ओर से सिविल लाइंस थाने में चार अज्ञात महिलाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है ।

30 दिन के पैसे लेकर 28 दिन का रिचार्ज !

नई दिल्ली

भारत में टेलिकॉम कंपनियों द्वारा ग्राहकों के साथ किया जा रहा एक सूक्ष्म लेकिन गंभीर छल लंबे समय से अनदेखा किया जा रहा है। रिचार्ज कूपन को ह्लएक महीनेह्व की वैधता बताकर बेचा जाता है जबकि वास्तव में उसकी अवधि केवल 28 दिनों की होती है। 30 दिन के पैसे लेकर 28 दिन की सेवा देना भ्रामक प्रचार और उपभोक्ता अधिकारों के साथ सीधा अन्याय है। पूरी दुनिया में महीना 30 या 31 दिनों का होता है, ऐसे में 28 दिनों की सेवा को एक महीना कहना किसी भी तरह से तार्किक या नैतिक नहीं ठहराया जा सकता।

इस व्यवस्था का सीधा नुकसान आम उपभोक्ता को होता है। जहां एक साल में 12 महीने होते हैं, वहीं 28 दिनों की वैधता के चलते ग्राहक को 12 की जगह 13 बार रिचार्ज कराना पड़ता है। यानी बिना किसी अतिरिक्त सेवा के टेलिकॉम कंपनियां ग्राहकों से एक महीने का अतिरिक्त पैसा वसूल लेती हैं। यह एक तरह का ह्लछुपा हुआ शुल्कह्व है, जिसे चतुर मार्केटिंग के जरिये सामान्य बना दिया गया है।

दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ळफ्अक) ने भी समय-समय पर यह निर्देश दिए हैं कि कम से कम कुछ रिचार्ज प्लान 30 दिनों की वैधता के साथ उपलब्ध कराए जाएं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है।

दिल्ली वालों के लिए खुशखबरी! अब रात में भी खुलेंगे बाजार

NDMC बजट में हुई बड़ी घोषणा

नई दिल्ली

NDMC के बजट 2026- 27 में नई दिल्ली के इलाकों में नाइट बाजार शुरू करने की घोषणा की गई है. इसका मतलब है कि कुछ चुनिंदा बाजारों में लोग रात के समय भी खरीदारी कर सकेंगे, खाना-पीना होगा और चहल-पहल बनी रहेगी.

नाइट बाजार के लिए बाजारों में अच्छी रोशनी, साफ-सफाई और सुरक्षा पर खास ध्यान दिया जाएगा, ताकि लोग बिना डर के बाहर निकल सकें. इन नाइट बाजारों को पूरी तरह से प्लानिंग के साथ शुरू किया जाएगा. रात के समय बाजारों में सफाई के लिए अलग टीम होगी. CCTV कैमरों से निगरानी रखी जाएगी और (CP, खान मार्केट, सरोजिनी नगर जैसे इलाके) की सड़कों पर रोशनी बढ़ाई जाएगी.

दुकानदारों से ज्यादा ग्राहकों का फायदा

इससे दुकानदारों को ज्यादा ग्राहक मिलेंगे और युवाओं व पर्यटकों के लिए भी यह एक नया आकर्षण होगा. माना जा रहा है कि इससे दिल्ली में रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे. अब उम्मीद है कि बाजार देर रात तक खुले रहेंगे और सुरक्षा, सफाई और रोशनी का इंतजाम बेहतर नजर आएगा. जिससे व्यापार और रोजगार दोनों को बढ़ावा मिलेगा.

यह सारी घोषणाएं नई दिल्ली नगर पालिका

परिषद के बजट 2026-27 में की गई हैं. NDMC ने इस बार ?5953 करोड़ का बजट पेश किया है, जिसमें आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों पर फोकस किया गया है.

बजट में कोई नया टैक्स नहीं लगा

सबसे राहत की बात यह है कि इस बजट में कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है और न ही किसी मौजूदा टैक्स की दर बढ़ाई गई है. इसके बावजूद NDMC ने अगले साल ?143 करोड़ के मुनाफे का अनुमान जताया है यानी बिना टैक्स बढ़ाए भी वित्तीय संतुलन बनाए रखने का दावा किया गया है.

बजट में पानी और सफाई को लेकर भी योजनाएं शामिल हैं. 34 झुग्गी-झोपड़ी क्लस्टरों में हर घर नल से पानी पहुंचाने, 24 घंटे पानी सप्लाई के पायलट प्रोजेक्ट की योजना और बारिश के समय जलभराव से निपटने के लिए बेहतर ड्रेनेज सिस्टम की बात कही गई है. सुरक्षा के लिए 2000 से ज्यादा नए CCTV कैमरे लगाने की योजना भी बजट में शामिल है।

सीएम फडणवीस ने अपने ही नेताओं को दे दी चेतावनी

कांग्रेस हो या AIMIM, गठबंधन मंजूर नहीं

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार (7 जनवरी) को कांग्रेस के साथ किसी भी तरह के गठबंधन से साफ इनकार करते हुए इसे "अस्वीकार्य" बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंबरनाथ में स्थानीय स्तर पर लिए गए फैसले को सुधारा जाएगा। यह स्पष्टीकरण अंबरनाथ नगर परिषद में हुए एक चौंकाने वाले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद आया है, जहां भाजपा और कांग्रेस ने कथित तौर पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को सत्ता में आने से रोकने के लिए हाथ

मिला लिया था। इस कदम से राज्य में राजनीतिक तनाव काफी बढ़ गया है।

गठबंधन स्वीकार्य नहीं

फडणवीस ने कहा कांग्रेस के साथ गठबंधन स्वीकार्य नहीं है। अंबरनाथ में स्थानीय स्तर पर लिया गया निर्णय बदला जाएगा; कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। ठाणे जिले में मुंबई से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित अंबरनाथ में भाजपा के "कांग्रेस-मुक्त भारत" के लंबे समय से चले आ रहे अभियान के बावजूद अप्रत्याशित गठबंधन देखने को मिला। इस गठबंधन का उद्देश्य शिवसेना के शिंदे गुट को सत्ता से बाहर रखना था। भाजपा-कांग्रेस के इस गठबंधन ने राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा कर दी हैं और महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य में काफी बहस छेड़ दी है, जिससे स्थानीय स्तर की चुनावी राजनीति की जटिलताएं उजागर होती हैं।

कांग्रेस-भाजपा गठबंधन अंबरनाथ विकास अघाड़ी

इस गठबंधन को "अंबरनाथ विकास अघाड़ी" नाम दिया गया है। हालांकि, इन घटनाक्रमों से शिवसेना के शिंदे गुट में काफी असंतोष फैल गया है। भाजपा-कांग्रेस गठबंधन के बाद शिंदे गुट बेहद उग्र है। शिवसेना के शिंदे गुट ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए इस गठबंधन को "अपवित्र गठबंधन" करार दिया है।

तीसरे वनडे में टीम इंडिया की बंपर जीत, वैभव सूर्यवंशी चमके फिर गेंदबाजों का कहर

दक्षिण अफ्रीका

भारत ने तीसरे यूथ वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका को 233 रनों से हरा दिया है. इसी के साथ 3 मैचों की वनडे सीरीज में भारत की अंडर-19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका का 3-0 से सूपड़ा साफ कर दिया है. तीसरे डउक्क मैच में टीम इंडिया ने पहले खेलते हुए 393 रनों का स्कोर खड़ा किया था. भारत के लिए वैभव सूर्यवंशी और आरोन जॉर्ज ने शतक लगाया. विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 160 रनों पर

सिमट गई.

इस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर टीम इंडिया को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया था. भारतीय सलामी बल्लेबाजों, वैभव सूर्यवंशी और आरोन जॉर्ज ने कमाल की बल्लेबाजी करते हुए 227 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप कर डाली.

वैभव सूर्यवंशी का शतक

वैभव सूर्यवंशी ने इस मैच में 63 गेंद में शतक पूरा कर लिया था. यह वैभव का लिस्ट-अ करियर में दूसरा शतक रहा. उन्होंने इस मुकाबले में 74 गेंद खेलकर 127 रन बनाए, इस दौरान उनके बल्ले से 9 चौके और 10 छक्के आए. उनके अलावा आरोन जॉर्ज ने 106 गेंदों में 118 रनों की पारी खेली. सूर्यवंशी और जॉर्ज ने 227 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप की थी।

'शीतलहर में कोई भी फुटपाथ पर न सोए'

सीएम योगी ने गोरखपुर में रैन बसेरों का किया निरीक्षण

गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर महानगर में दो अस्थायी रैन बसेरों (बरगदवा व राप्तीनगर) का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की पड़ताल की. इस अवसर पर उन्होंने रैन बसेरे में ठहरे लोगों और रैन बसेरों के बाहर जरूरतमंदों में कंबल व भोजन का भी वितरण किया.

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में जिला प्रशासन और नगर निगम, नगर निकाय-स्थानीय निकायों के प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी व्यक्ति खुले में, फुटपाथ या पटरियों पर न सोए. उसे रैन बसेरों में उचित व्यवस्था के साथ रहने का सम्मानजनक ठौर दिया जाए. उन्होंने बताया कि जनता को भीषण शीतलहर से बचाने के लिए सभी जिलों में जिला प्रशासन को पर्याप्त धनराशि दी गई है.

रैन बसेरे में ठहरे लोगों ने जताया आभार

मुख्यमंत्री ने सभी से रैन बसेरे में मिल रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली. सबने रैन बसेरे में उपलब्ध व्यवस्थाओं को लेकर संतोषजनक जवाब दिया और भीषण शीतलहर में अच्छी सुविधा दिलाने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार भी व्यक्त किया. दोनों रैन बसेरों में और यहां के बाहर मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से जरूरतमंदों में कंबल व भोजन का वितरण कर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उनकी सेवा व सहूलियत के लिए संकल्पित भाव से कार्य कर रही है.

'भीषण शीतलहर से बचाव के लिए पूरे प्रदेश में व्यापक इंतजाम'

रैन बसेरों का निरीक्षण करने के बाद

मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्तमान समय में भीषण शीतलहर का प्रकोप है. लोगों को इससे बचाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा सभी जिला प्रशासन को युद्ध स्तर पर कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं. हर जिले में व्यापक पैमाने पर रन रैन बसेरों का संचालन करने, जरूरतमंदों में कंबल व ऊनी वस्त्रो का वितरण करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर पर्याप्त संख्या में अलाव जलाने के निर्देश दिए गए हैं.

गोरखपुर में संचालित हो रहे 19 रैन बसेरा

मुख्यमंत्री ने बताया कि गोरखपुर महानगर में 19 रैन बसेरे संचालित हो रहे हैं, जिनमें एक हजार जरूरतमंद या फुटपाथ-पटरियों पर सोने को मजबूर लोगों के रहने के लिए अस्थायी तौर पर व्यवस्था की गई है. सभी रैन बसेरे सुरक्षित हैं और व्यवस्थित तरीके से संचालित हो रहे हैं.

उन्होंने कहा कि गोरखपुर की तरह ही प्रदेश के सभी महानगरों सभी जनपदों में व्यापक पैमाने पर रैन बसेरे संचालित किए जा रहे हैं. जिला प्रशासन और नगर निकाय-स्थानीय निकाय प्रशासनों को हिदायत दी गई है कि जिसके पास अपना स्वयं रहने का ठिकाना नहीं है।

यूपी में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा रद्द, धांधली की शिकायत के बाद सरकार का बड़ा फैसला

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में सहायक प्रोफेसर भर्ती परीक्षा को लेकर बड़ा फैसला सामने आया है. राज्य सरकार ने यूपी असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा को पूरी तरह रद कर दिया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद इस फैसले की जानकारी दी है. परीक्षा में गड़बड़ी और अवैध धन वसूली के संकेत मिलने के बाद सरकार ने सख्त कदम उठाया है. दरअसल, जांच एजेंसी एसटीएफ को परीक्षा से जुड़े मामले में गंभीर अनियमितताओं के सुराग मिले थे. जांच के दौरान यह सामने आया कि कुछ लोगों द्वारा अभ्यर्थियों से पैसे लेकर उन्हें अनुचित लाभ दिलाने की कोशिश की जा रही थी. इस पूरे मामले की रिपोर्ट जब मुख्यमंत्री तक पहुंची, तो उन्होंने बिना देरी किए परीक्षा को रद करने का निर्देश दे दिया. सरकार का साफ कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में किसी भी तरह की बेईमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि योग्य उम्मीदवारों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा. इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य शिक्षा सेवा चयन आयोग को निर्देश दिए गए हैं कि सहायक प्रोफेसर भर्ती परीक्षा को दोबारा आयोजित किया जाए. नई परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और सख्त निगरानी में कराई जाएगी, ताकि किसी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश न रहे।

तिलकुटा चौथ के व्रत से दूर होते हैं कष्ट, माताएं करती हैं संतान की दीर्घायु की कामना

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाया जाने वाला सकट चौथ का पर्व हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है। यह पर्व तिलकुटा चौथ और माघी चौथ (गणेश चौथ) के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन माताएं भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा कर अपनी संतान के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता के रूप में पूजा जाता है, जो भक्तों के सभी संकटों का निवारण करते हैं।

पौराणिक कथाओं से जुड़ी मान्यताएं

धार्मिक ग्रंथों और लोककथाओं के अनुसार माघ कृष्ण चतुर्थी के दिन माता पार्वती ने भगवान गणेश को पृथ्वी पर भेजा था, ताकि वे अपने भक्तों के दुखों को दूर कर सकें। तभी से यह तिथि सकट चौथ के रूप में प्रसिद्ध हुई। एक अन्य मान्यता के अनुसार देवताओं और असुरों के बीच हुए संग्राम में असुरों के अत्याचार से धरती पर हाहाकार मच गया था। देवताओं की प्रार्थना पर भगवान गणेश ने अवतार लेकर असुरों का विनाश किया और संसार को संकट से मुक्त कराया।वहीं एक कथा यह भी है कि एक निर्धन ब्राह्मण की संतान गंभीर बीमारी से पीड़ित थी। ब्राह्मणी द्वारा श्रद्धापूर्वक किए गए सकट चौथ के व्रत से भगवान गणेश प्रसन्न हुए और बालक को जीवनदान मिला। तभी से यह व्रत संतान सुख प्रदान करने वाला माना जाता है।

व्रत और पूजा की परंपरा

सकट चौथ के दिन महिलाएं प्रातः स्नान कर व्रत का संकल्प लेती हैं। दिनभर निर्जला या फलाहार व्रत रखा जाता है। सायंकाल चंद्रमा के उदय से पूर्व भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है। पूजन में तिल, गुड़, लड्डू, मोदक, दूर्वा, पुष्प, धूप और दीप अर्पित किए जाते हैं। तिल से बने व्यंजन भगवान गणेश को विशेष प्रिय माने जाते हैं। रात्रि में चंद्र दर्शन कर अर्घ्य देने के पश्चात व्रत का पारण किया जाता है। मान्यता है कि इस दिन चंद्रमा के दर्शन से व्रती की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

आस्था और मातृत्व का पर्व

सकट चौथ का पर्व गांवों और शहरों में समान उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। महिलाएं सामूहिक रूप से व्रत कथा सुनती हैं और गणेश भक्ति में लीन रहती हैं। यह पर्व मातृत्व, आस्था और विश्वास का सशक्त प्रतीक है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सच्ची भक्ति और श्रद्धा से भगवान गणेश परिवार को हर प्रकार के संकट से बचाते हैं और जीवन में सुख-शांति एवं समृद्धि प्रदान करते हैं।

जैदी इंडोर क्रिकेट क्लब बनाम दौलत हुसैन के बीच हुआ अद्भुत रोमांचक मुकाबला

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज । देव स्पोर्ट्स ग्राउंड पर खेले जा रहे एस एस साईं प्रजापति टेक्निकल सर्विसेज ओपन कैश मनी क्रिकेट टूनार्मेंट 2026 दूसरे दिन का पहला मैच साक्षी हॉस्पिटल टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर के मैच में 15 ओवर पूरा खेलते हुए 9 विकेट पर 112 रन बनाने में सफल रही जिसमें स्वतंत्र पांडेय 35 रनों का योगदान रहा वहीं गेंदबाजी में विकास कुमार सचिन यादव अमन यादव अनुभव यादव 2-2 विकेट लेने में कामयाब रहे लक्ष्य का पीछा करने उतरी मऊआइमा क्रिकेट क्लब 14.3 ओवर 93 रन बनाकर ऑल आउट हो गई जिसमें सचिन यादव 34 रन का सर्वाधिक योगदान रहा वहीं गेंदबाजी में रोहन सिंह 4 विकेट स्वतंत्र पांडेय 3 विकेट रजनीश 2 विकेट लेने में सफल रहे इस तरह से साक्षी हॉस्पिटल 19 रनों से जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करती हुई दूसरा मुकाबला जिसमें दौलत हुसैन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर के मैच में 9 विकेट के नुकसान पर 139 रन बनाने में सफल रही जिसमे इमरोज अली 71 मोहम्मद अरमान 18 रन गुलाम अली 13 रन हिमांशु द्विवेदी 10 रनो का योगदान रहा वहीं गेंदबाजी में शिवम श्रीवास्तव सुधांशु शुक्ला 2-2 विकेट लिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी जैदी इंडोर की टीम पूरा ओवर खेलते हुए 9 विकेट पर 137 रन बना पाई जिसमें तन्मय 29 शिवांश यादव 28 सुधांशु शुक्ला 19 हार्दिक 14 अखिल कश्यप 15 रनों का योगदान रहा वहीं गेंदबाजी में अखिलेश यादव अब्दुल हसन 2-2 विकेट लिए इस प्रकार जैदी इंडोर क्रिकेट क्लब की टीम यह मैच से 2 रनों से हार कर टूनार्मेंट से बाहर हो गई इस टूनार्मेंट के आयोजन रामचंद्र प्रजापति एम एस साईं प्रजापति टेक्निकल सर्विसेज के ओनर अनिल प्रजापति जी के द्वारा खिलाड़ियों को मैन ऑफ द मैच दिया गया।

सऊदी भेजने के नाम पर युवक से ठगी

झूंसी। विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी का एक मामला सामने आया है। गोरखपुर के खजनी निवासी आफताब से झूंसी के एक युवक ने सऊदी अरब में नौकरी दिलाने के नाम पर 1.25 लाख रुपये ठग लिए। आफताब की मुलाकात आरोपी से सऊदी में काम के दौरान हुई थी। काम छूटने पर आरोपी ने झांसा देकर रकम अपने पिता के माध्यम से झूंसी में मंगवाई। आरोप है कि महीनों बीतने के बाद भी न वीजा मिला और न ही काम। आरोपी ने फोन उठाना भी बंद कर दिया। बुधवार को जब पीड़ित झूंसी के कनिहार स्थित आरोपी के घर पैसे मांगने पहुँचा, तो वहां मौजूद परिजनों ने पैसे देने के बजाय उसके साथ गाली-गलौज की और मारपीट पर उतारू हो गए। पीड़ित आफताब ने मामले की लिखित शिकायत झूंसी पुलिस से की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गोबर पाथने के विवाद में दलित महिला को मारा पीटा गया तहरी

मऊआइमा। गोबर पाथने के विवाद में दलित महिला के ऊपर पड़ोसियों ने ईट पत्थरो से हमला कर दिए। तथा जाति सूचक गालिया दी गई। महिला के ससुर ने थाने में तहरीर दी है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के दामोदर पुर गांव निवासी एक व्यक्ति के मुताबि उस की बहू घर के पास गोबर पाथ रही थी उसी में पड़ोस की एक महिला खाद दाल दी मना करने पर वह अपने घर के लोगो को बुला कर ईट पत्थरो से हमला कर दिया गया तथा जाति सूचक गालिया दी गई।पीड़ित ने 112 पुलिस को बुला या तब जा कर उस की जान बची। पीड़ित ने मऊआइमा थाने में तहरीर दी। पुलिस का कहना है कि जाँच की जा रही है।

करछना विकासखंड में योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

विकासखंड करछना में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक में उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारी।

अखंड भारत संदेश

बैठक में आयुष्मान गोल्डन कार्ड, मुख्यमंत्री आवास योजना, मनरेगा तथा फैमिली आईडी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई

करछना। विकासखंड करछना में गुरुवार को विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी करछना? अमित मिश्रा ने की। बैठक में आयुष्मान गोल्डन कार्ड, मुख्यमंत्री आवास योजना, मनरेगा तथा फैमिली आईडी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक भी उपस्थित रहे। उन्होंने आयुष्मान गोल्डन कार्ड निर्माण में तेजी लाने के लिए ग्राम पंचायत सचिवों एवं पंचायत सहायकों से सहयोग का अनुरोध किया। अधीक्षक वाईपी सिंह द्वारा आयुष्मान गोल्डन कार्ड के लिए पात्रता की शर्तें भी स्पष्ट की गईं। इसमें अंत्योदय राशन कार्ड धारक, 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिक, राशन कार्ड में अधिकतम दो सदस्य जिनकी आयु 60 वर्ष हो तथा वर्ष 2018 से पहले बने छह से अधिक सदस्य वाले राशन कार्ड परिवारों को शामिल किया गया।

खंड विकास अधिकारी ने मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही मनरेगा में समय से डिमांड और मास्टर रोल जारी करने पर जोर दिया गया।

सहायक विकास अधिकारी (सांख्यिकी) पुष्पेंद्र सिंह ने फैमिली आईडी की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि इसकी प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने गैर राशन कार्ड धारक नागरिकों से शीघ्र फैमिली आईडी बनवाने की अपील की, क्योंकि भविष्य में सभी सरकारी योजनाएं फैमिली आईडी से जोड़ी जाएंगी। कार्यक्रम के दौरान मनीष सिंह, मनरेगा प्रभारी मनीष शुक्ला,, ब्रजेश द्विवेदी, प्रफुल्ल कुमार, दीपेश सिंह, सुखेन्द्र कुमार, संजीव श्रीवास्तव, ममता पांडेय, प्रियम, दीप्ति मिश्र, गरिमा यादव, अक्षत सिंह, बृजेश सिंह, सुधीर जयसेखर सहित अन्य सचिव व ब्लाक कर्मी मौजूद रहे।

सेमरी तरहार में गरीबों को किया कंबल वितरण

लालापुर। क्षेत्र के सेमरी तरहार गांव में बुधवार को कंबल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक बारा डाक्टर वाचस्पति विशिष्ट अतिथि उपजिलाधिकारी बारा प्रेरणा गौतम ने रही । सावित्री हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ विनोद त्रिपाठी व सूरज प्रसाद त्रिपाठी लगभग दो हजार जरूरत मन्दों को कंबल वितरण कराया। इस दौरान मनोज त्रिपाठी, अनोद त्रिपाठी, विजय कुमार निषाद, सतीश त्रिपाठी, फूलचंद्र, दीपचंद्र पाठक, अमर सिंह , कुणाल, विराज,नीरज केसरवानी, लल्लन सिंह, राम बाबू , मुन्ना मिश्र सहित आदि लोग मौजूद रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री निशिका सिंह के जन्म प्रमाण पत्र संख्या B202409264970000032 में जन्म तिथि त्रुटिवश 23.01.2023 दर्ज हो गया। जबकि उसकी वास्तवित जन्मतिथि 22.03.2018 है। उसके समस्त अभिलेख में जन्मतिथि 22.03.2018 पढ़ा व लिखा जाय। **सुजीत कुमार सिंह पुत्र ओंकार सिंह नि0-ग्राम-बहलोलपुर, तह0-सदर, जनपद-प्रतापगढ़।**

चौका में जल निगम की पाइप टूटने से हो रही दुर्घटना

अखंड भारत संदेश

जंघई। चौका तिराहे के समीप जल निगम की पाइप टूटने के कारण जल निगम का पानी एक महीने से सड़क पर बह रहा है आवागमन करने वाले राहगीर फिसलकर, गिरकर चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बार बार जल निगम के कर्मचारियों, अधिकारियों को अवगत कराया लेकिन कोई ध्यान नही दे रहा जिसके कारण लोगों मे आक्रोश व्याप्त है। सड़क के उपर दूषित गंदा पानी बह रहा है जिसके कारण आवागमन बाधित हो गया है। बाजार में आने जाने वाले लोगों एवं स्थानीय निवासियों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। चौका गांव के निवासियों ने जल निगम विभाग से अविलंब टूटी पाइप लाइन की मरम्मत की मांग किया है ताकि इस गंदगी से निजात मिल सके।

कार्यालय ग्राम पंचायत एदिलपुर विकास खंड मंझनपुर, जनपद कौशांबी

अल्पकालिक निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विकासखंड मंझनपुर जनपद कौशांबी के ग्राम पंचायत एदिलपुर में मनरेगा योजना विकसित भारत जी राम जी योजना के अंतर्गत बच्ची लाल के खेत से शांति देवी के खेत तक नाली का निर्माण कराया जाना है जिसके टोटल लागत 930536 रुपए है।

प्रस्तावित सामग्री आपूर्ति का विवरण

श्रमांश लागत - 131486 रुपए
सामग्री लागत - 737685 रुपए
कुल लागत - 930536 रुपए

उपरोक्त नाली निर्माण कार्य में प्रयोग होने वाली निर्माण सामग्रियों की कार्य स्थल पर आपूर्ति के लिए व्यापार कर आयकर में पंजीकृत फर्म से निविदा टेंडर आमंत्रित की जाती है ग्राम पंचायत कार्यालय से निर्धारित शुल्क नगद रुपए देकर निविदा टेंडर फॉर्म प्राप्त किए जा सकते हैं 08 जनवरी 2026 से 15 जनवरी 2026 तक ग्राम पंचायत कार्यालय में निविदा फार्म जमा कर संबंधित फर्म ठेकेदार निविदा में भाग ले सकते हैं 16 जनवरी 2026 को 12:00 बजे दोपहर उपस्थित फर्म के समक्ष सार्वजनिक तरीके से निविदा टेंडर खोली जाएगी निविदा टेंडर स्वीकृत अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा।

रमेश कुमार मौर्य
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत एदिलपुर
विकासखंड मंझनपुर जनपद कौशांबी

कुलदीप सिंह
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत एदिलपुर
विकासखंड मंझनपुर जनपद कौशांबी

मनरेगा के समर्थन में उतरी कांग्रेस, कनहेटी में हुई मनरेगा बचाओ चौपाल

अखंड भारत संदेश

सहसों। कांग्रेस पार्टी गंगापार द्वारा फूलपुर के कनहेटी में मनरेगा बचाओ चौपाल आयोजित किया गया। चौपाल के मुख्य अतिथि कांग्रेस पार्टी गंगापार जिलाध्यक्ष अशफाक अहमद ने चौपाल में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि (मनरेगा) महात्मा गांधी रोजगार गारंटी अधिनियम भारत सरकार द्वारा संचालित ऐसा अधिनियम था जो 2005 में शुरू होकर अभी तक निर्विवाद रूप से चला रहा था। मनरेगा से जनता को 100 दिन का रोजगार मिलने की गारंटी निश्चित की गई थी। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी को महात्मा गांधी जी के नाम से घृणा और नफरत है। जोकि आनन फानन में मनरेगा का नाम बदलकर विकसित भारत जी राम जी आधी रात में बदलकर जबरन बिना संसद में बहस कराए पास करवा दिया।अब जनता इनके मंसूबों को पूरी तरह समझ चुकी है। वह अपने अधिकार के प्रति पूरी तरह से जागरूक है। जी राम जी योजना जो केंद्र सरकार की सोची समझी रणनीति के तहत लाई गई है। जनता इसे बर्दाश्त नहीं करेगी जब तक भाजपा सरकार इस अधिनियम को वापस नहीं ले लेती है। तब तक कांग्रेस पार्टी द्वारा इस चौपाल का कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसलिए कांग्रेस पार्टी प्रतिदिन गांव में जाकर मनरेगा का कार्यक्रम चलाकर इसका विरोध करेगी। विशेष आमंत्रित सदस्य मुन्ना उपाध्यक्ष, डॉ जगत नारायण सिंह एंव विधानसभा प्रभारी निशा सिंह ने कहा कि आज भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल है। महंगाई, बेरोजगारी चरम सीमा पर है। अपराधी बेखौफ होकर अपराध को अंजाम दे रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस कमेटी के

महासचिव सुनील पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर लाल चन्द्र पटेल, सूफिया बानो, उर्मिला सिंह, मंजू देवी, सितारा देवी, हरिशचन्द्र यादव, सुरेश पटेल, राजेश पटेल, डॉ अमर सिंह, संजय शुक्ला, हृदयानन्द यादव, संजय श्रीवास्तव, ईश्वर चंद्र केसरवानी, गीता विश्वकर्मा, डा.मदन यादव, संदीप भारतीया, संगीता पटेल, नरगिस बानो, सितारा बानो, राम लखन बिन्द, राज कुमार बिन्द सहित आदि पार्टी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत मीरापुर विकास खंड मंझनपुर, जनपद कौशांबी

अल्पकालिक निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि खाद्य एवं रसद विभाग के अंतर्गत जनपद कौशांबी के मंझनपुर विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत मीरपुर में मॉडल उचित दर दुकान एवं जन सुविधा केंद्र का निर्माण कार्य कराया जाना प्रस्तावित है निर्माण कार्य की लागत 8 लाख 46 हजार 245 रुपए प्रस्तावित है कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु व्यापार कर एवं आयकर विभाग में पंजीकृत फर्म द्वारा सील बंद निविदाएं दिनांक 8 जनवरी 2026 से 15 जनवरी 2026 तक आमंत्रित की जाती है निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय मीरापुर से नगद मूल्य देकर प्राप्त की जा सकती हैं निविदा प्रपत्र 16 जनवरी 2026 को दोपहर 12:00 उपस्थित फर्म ठेकेदारों के समक्ष खोले जाएंगे अन्य किसी प्रकार की जानकारी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय मीरापुर से प्राप्त की जा सकती हैं निविदा स्वीकृत अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

हीरामनी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत मीरापुर
विकासखंड मंझनपुर, जनपद कौशांबी

सौम्या साहू
पंचायत सचिव
ग्राम पंचायत मीरापुर
विकासखंड मंझनपुर, जनपद कौशांबी

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नैनी-झूंसी रिंग रोड व गंगा सेतु का किया निरीक्षण, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य के दिए निर्देश

कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की समीक्षा, एनएचआई व कार्यदायी संस्था को नियमित निगरानी के निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को नैनी से झूंसी को जोड़ने वाले रिंग रोड तथा गंगा नदी पर निमार्णाधीन सेतु का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की विस्तार से समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री ने कार्यदायी संस्था जीपीटी इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड से निर्माण की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने एनएचआई के अधिकारियों को भी नियमित रूप से कार्यस्थल का निरीक्षण करने और गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि परियोजना में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ कार्यदायी संस्था एवं एनएचआई के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय रामायण मेला का उप मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अखिल भारतीय रामायण मेला समिति के तत्वावधान में आयोजित त्रिदिवसीय रामायण मेला का समुद्घाटन प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया । अपने संबोधन में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ने स्व डॉ महेश नारायण अवस्थी द्वारा प्रारंभ किए गए इस रामायण मेला को प्रयागराज की धरोहर बताते हुए भविष्य में सहयोग प्रदान कराने हेतु आश्वस्त किया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने समिति की वार्षिक पत्रिका ₹रामायणीयम₹ , तुलसी जन्मभूमि, उत्तर प्रदेश की लोक कथाएं का विमोचन किया ।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे टीकर माफी आश्रम के स्वामी हरि चैतन्य ब्रह्मचारी जी ने अपने उद्बोधन में रामायण मेला को भरद्वाज मुनि द्वारा कराई गई कथा की निरंतरता बताई और प्राचीनतम कथानक भी ।

द्वितीय सत्र में सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसकी अध्यक्षता स्वामी राजेंद्र दास जी महाराज ने की । कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन दुर्गेश दुबे एवं संचालन डॉ शंभूनाथ त्रिपाठी अंशुल ने किया । इस अवसर पर प्रमुख रूप से सतीश कुमार गुप्ता, प्रथमा सिन्हा, सपन प्रसन्ना, कमलेश दुबे , विधायक हर्षवर्धन बाजपेई एवं पूजा पाल, अवधेश चंद्र गुप्ता , महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, रत्नेश दुबे, सुधीर द्विवेदी , पंकज पांडेय, राजेंद्र तिवारी दुकान जी उपस्थित रहे ।उक्त जानकारी मेला समिति के सदस्य एवं प्रचार प्रमुख आशीष बाजपेयी ने दी।

टप्पेबाजों का शिकार हो रहे बैंक उपभोक्ता

जसरा। जसरा बाजार में आधा दर्जन बैंकों की शाखाएं हैं। जहां से आसपास के दर्जनों गांव के ग्रामीण प्रति दिन रुपए जमा करने व निकालने के लिए आते हैं तथा इन टप्पेबाजों की तरह-तरह के हथकडों में फंसकर अपने रुपए गवा देते हैं।

इसी क्रम में बुधवार को दोपहर बाद लगभग पौने चार बजे सेंधुवार गांव का किसान जगदंबा प्रसाद पटेल 75 वर्ष अपने पौत्र दीपांशु पटेल 14 के साथ मोटरसाइकिल से एक लाख रुपए लेकर घर से सरिया खरीदने के लिए निकला था। इसी दौरान वह इंडियन बैंक के समीप सड़क के किनारे रुक गया जहां टप्पे बाजो का शिकार बन गया। बुजुर्ग किसान ने बताया कि वह अपने पौत्र के साथ मोटर मोटरसाइकिल से इंडियन बैंक के पास रुक कर अपने पुत्र दिनेश कुमार पटेल का इंतजार करने लगा। इतने में हेलमेट लगाए दो मोटरसाइकिल सवार बुजुर्ग के पास पहुंचे तथा अपने को जान पहचान वाला बता डाला। बातों बातों में दोनों मोटरसाइकिल सवार ने बुजुर्ग से 5 सौ रुपए का छुट्टा मांगा। बुजुर्ग भी उनके बातों में आकर जैकेट के अंदर जेब में रखें पांच 500 की दो गद्दी निकाल लिया। इतने में दोनों मोटरसाइकिल सवारों ने झपट्टा मार कर बुजुर्ग के हाथ से रुपए छीन लिया तथा मोटरसाइकिल पर बैठ गए। लुटेरों ने बुजुर्ग को धक्का दे दिया जिससे वह सड़क पर गिर गया। दूर खड़ा उनका पौत्र दीपांशु जब मोटरसाइकिल सवारों को पकड़ने की कोशिश की तो उसे भी धक्का देकर दोनों बारा की ओर भाग निकले। स्थानीय लोग कुछ समझ पाते इससे पहले ही वह दोनों लुटेरे आंखों से ओझल हो गए। लूट की घटना सुन लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। डायल 112 पर फोन करने की कोशिश किया गया। लेकिन फोन नहीं लगा। इतने में गौहनिया चौकी इंचार्ज अनुराग सिंह को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की बारीकी से जांच पड़ताल की तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे से भी सुराग लगाने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि लाल रंग की पल्सर मोटरसाइकिल में नंबर प्लेट नहीं लगा था। वहीं पुलिस का कहना है कि आए दिन लूट की घटनाएं हो रही है इसके बाद भी लोग जागरुक नहीं हो रहे हैं। तथा अपनी मेहनत की कमाई का रुपया इन टप्पे बाजों के हाथों से गंवा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब तक चार से 5 दर्जन से अधिक घटनाएं हो चुकी है। लेकिन आज तक एक भी टप्पेबाज पुलिस के हाथ नहीं चढ़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर पुलिस गंभीरता से प्रयास करें तो टप्पे बाजों के चेहरे बैंकों के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में दिखाई पड़ जाएंगे। स्थानीय लोगों ने इन सब पर लगाम लगाने की मांग की है।

अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरी ने मनकामेश्वर धाम का किया दर्शन

लालापुर। बुधवार को अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरी जी महराज दर्जनों गाड़ियों के काफिले के साथ लालापुर के मनकामेश्वर धाम पहुंचे। इस बीच उन्होंने अपने साथ आए संतो के साथ मनकामेश्वर महादेव का दर्शन पूजन किया । उनके स्वागत सम्मान के लिए लालापुर प्रधान शंकर लाल पांडेय, सतीश शुक्ल उर्फ चंदन, दीपक पांडेय, माखन पांडेय, गोलू पांडेय के साथ लेखपाल प्राची सिंह, मिथिलेश, शत्रुघ्न सिंह आदि लोग मौजूद रहे । सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लालापुर एस ओ अनुभव सिंह पूरी टीम के साथ मुस्तैद रहे।

परेड सेक्टर-3 स्थित कला संगम पंडाल में लोक गीत, नृत्य नाटिका और शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र के परेड सेक्टर-3 स्थित संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के कला संगम पंडाल में आज लोक गीतों, लोक नृत्य, नृत्य नाटिका एवं शास्त्रीय संगीत का भव्य आयोजन हुआ। पंडाल में उपस्थित दर्शक लोक और शास्त्रीय संगीत की सुरमयी गंगा में डुबकी लगाते नजर आए।

कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति मुंबई की सेलिब्रिटी तबला वादक अनुराधा पाल की रही। कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित अनुराधा पाल ने अपनी प्रस्तुति ह्लतबला गाए कहानियांह्व से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तबले से डमरू की ध्वनि निकालना हो या मेले में खरीदारी को लेकर पति-पत्नी के बीच होने वाली नोंक-झोंक को संगीत में ढालना–उनकी कला ने पंडाल में सन्नाटा और तालियों की गूंज एक साथ पैदा कर दी।प्रयागराज के सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पं. प्रेम कुमार मलिक, दरभंगा घराना की 12वीं पीढ़ी के कलाकार एवं राष्ट्रपति द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित, ने राग भीमपलासी और राग शंकरा में शिव स्तुति व गंगा स्तुति प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। उनकी मधुर आवाज ने शास्त्रीय संगीत प्रेमियों को बांधे रखा।

लोक नृत्य ढेड़िया की मशहूर कलाकार बीना सिंह (प्रयागराज) ने अपने दल के साथ श्रीराम के विजय के पश्चात उल्लास में किए जाने वाले ढेड़िया नृत्य का जीवंत और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसे देखकर दर्शक अपनी जगह से हिल तक न सके।

कार्यक्रम में प्रयागराज के प्रख्यात गायक भूपेंद्र कुमार ने ह्लजरा हल्के गाड़ी हांकों मेरे गाड़ी वालेह्व, ह्लसीताराम सीताराम कहिएह्व जैसे भजनों तथा गजल ह्लन जी भर के देखा, न बात कीह्व को स्वर देकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।आज के मुख्य आकर्षणों में रहीं माधवी मधुकर, जो भारत की पहली संस्कृत स्तोत्र गायिका हैं। उन्होंने ह्लत्रिवेणी स्त्रोतमह्व, ह्लप्रयाग अष्टकमह्व के श्लोक ह्लतीर्थराजो जयति प्रयागःह्व, ह्लअच्युतम केशवमह्व सहित अनेक स्वरबद्ध संस्कृत स्तोत्रों की प्रस्तुति देकर पंडाल को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। उनके स्वरबद्ध स्तोत्रों को हर माह एक करोड़ से अधिक श्रोता सुनते हैं।

पूरा कार्यक्रम ऐसा समां बांध गया कि दर्शक देर तक अपनी सीटों से उठ नहीं पाए। मंच का कुशल संचालन रेनू राज ने किया। सभी कलाकारों एवं टीमों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए संस्कृति विभाग के अधिकारियों द्वारा अंगवस्त्र एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में जनवरी 2026 सत्र के प्रवेश शुरू

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने सत्र जनवरी 2026 की प्रवेश प्रक्रिया बुधवार को प्रारम्भ कर दिया।विश्वविद्यालय की सत्र जनवरी 2026 की प्रवेश प्रक्रिया का शुभारम्भ करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय ने इस बार प्रवेश प्रक्रिया को बहुत सरल एवं सुलभ बनाया है। छात्रों को आवेदन करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। यूजीसी की गाइडलाइन के अनुसार छात्रों को अपनी अपार आईडी, एबीसी आईडी एवं यूजीसी डेब आईडी बनाने के पश्चात ही प्रवेश प्रक्रिया सम्पादित की जाएगी। विश्वविद्यालय के दक्ष तकनीकी विशेषज्ञों ने इस प्रक्रिया को अत्यन्त सरलीकृत कर दिया है जिससे छात्रों को फॉर्म भरने में किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय जनवरी 2026 सत्र में सभी प्रवेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप करने को कृत संकल्पित है। डिजिटल क्रांति के इस कालखण्ड में मुक्त विश्वविद्यालय ने शिक्षार्थियों के सुविधा को ध्यान में रखकर प्रवेश की ऑनलाइन व्यवस्था सुनिश्चित की है। मुक्त विश्वविद्यालय गुणात्मक शिक्षा की आकांक्षा रखने वाले हर व्यक्ति तक उच्च शिक्षा को सुलभ बनाने के लिए अग्रसर है। विश्वविद्यालय ने जनवरी 2026 सत्र में 24 परास्नातक कार्यक्रमों, 06 स्नातक कार्यक्रमों, 04 जागरूकता कार्यक्रमों, 07 डिप्लोमा कार्यक्रमों तथा 23 प्रमाण-पत्र कार्यक्रमों सहित कुल 64 कार्यक्रमों में प्रवेश प्रारम्भ किया है। सभी स्नातक प्रोग्राम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई आधारित स्किल कोर्स द्वितीय वर्ष में शुरू किया जा रहा है। जनवरी 2026 सत्र के प्रथम वर्ष में संग्रहालय विज्ञान में डिप्लोमा, एम ए गृह विज्ञान तथा बी सी ए कार्यक्रम भी शुरू किया जा रहा है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रवेश के उद्घाटन सत्र में ऑनलाइन जुड़े हुए सभी 12 क्षेत्रीय केन्द्रों क्रमशः प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, आगरा, बलिया, अयोध्या, झाँसी, मेरठ, गाजियाबाद, कानपुर, वाराणसी तथा गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयकों को निर्देशित किया कि वह केन्द्र पर आने वाले छात्रों की हर सम्भव सहायता करें, जिससे उन्हें प्रवेश लेते समय किसी भी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही उन्होंने समन्वयकों से अधिकाधित लोगों तक प्रवेश की जानकारी पहुँचाने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों का उपयोग करने की सलाह दी। प्रोफेसर सत्यकाम ने आशा व्यक्त की है कि सभी क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों के सहयोग से इस बार हम एक लाख की छात्र संख्या का लक्ष्य अवश्य पूरा कर लेंगे एवं इस बार किसी भी छात्र को प्रवेश से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।

प्रारम्भ में प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जय प्रकाश यादव ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम का स्वागत तथा कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्या शाखाओं के निदेशक एवं प्रभारीगण उपस्थित रहे।

सीआरआईएसपी के साथ यह पहल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में है महत्व पूर्ण कदम : जी श्रीनिवास

मेजा ऊर्जा निगम ने नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत स्थानीय युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण का किया शुभारंभ

40 अभ्यर्थियों को हाई प्रेशर टेक्नीशियन ट्रेड में तीन माह के प्रशिक्षण हेतु भेजा गया भोपाल, निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने हरि झंडी दिखाकर बस को किया रवाना

अखंड भारत संदेश

मेजा। बुधवार को मेजा ऊर्जा निगम (प्रा.) लिमिटेड ने अपने नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत स्थानीय युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण को बढ़ावा देने हेतु एक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी श्रीनिवास राव द्वारा किया गया। इस पहल के अंतर्गत कुल 40 अभ्यर्थियों को हाई प्रेशर वेल्डिंग टेक्नीशियन एवं सोलर पीवी इंस्टॉलर टेक्नीशियन ट्रेड में तीन माह का पूर्णतः आवासीय प्रशिक्षण सीआरआईएसपी भोपाल में प्रदान किया जाएगा। इस बैच के 40 प्रशिक्षार्थियों को आधुनिक औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी दक्षता विकसित कराई जाएगी। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्णतः आवासीय है तथा प्रशिक्षण उपरांत सीआरआईएसपी भोपाल द्वारा 100 प्रतिशत प्लेसमेंट सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर जी श्रीनिवास राव ने कहा कि मेजा ऊर्जा निगम स्थानीय युवाओं को कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है तथा सीआरआईएसपी के साथ यह पहल युवाओं को तकनीकी ज्ञान प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अन्य अतिथियों द्वारा बस को हरी झंडी दिखाकर प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण हेतु सीआरआईएसपी भोपाल के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर नरेंद्र नाथ सिन्हा (महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षण) आनंद प्रकाश, (महाप्रबंधक परियोजना) अशोक कुमार सामल, (महाप्रबंधक अनुरक्षण) एके चौधरी, (मुख्य चिकित्सा अधिकारी) विवेक चन्द्र (अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन) सहित सीआरआईएसपी भोपाल के प्रतिनिधि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जमीन विवाद में बवाल, जानलेवा हमला व पुलिस वाहन पर पथराव

प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र के अकोढ़ा गांव में जमीन विवाद को लेकर बुधवार की शाम हिंसा भड़क उठी। दबंगों ने न सिर्फ एक परिवार पर जानलेवा हमला किया, बल्कि मौके पर पहुंची पुलिस के वाहन पर भी पथराव किया गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई में जुट गई है। कौंधियारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अकोढ़ा निवासी कृष्ण बिहारी तिवारी पुत्र मूलचंद्र तिवारी ने थाना प्रभारी को दी गई तहरीर में बताया कि बुधवार की शाम उनकी जमीन पर जबरन कब्जा करने की नीयत से पड़ोसी गांव सहलोलवा, थाना करछना के आधा दर्जन से अधिक लोग एकजुट होकर उनके खेत पर पहुंचे। आरोप है कि हमलावर कटवासा, लाठी-डंडा और लोहे की रॉड से लैस थे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शोरगुल सुनकर जब प्रार्थी के परिजन मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव का प्रयास किया तो दबंगों ने जान से मारने की नीयत से मूलचंद्र तिवारी, राहुल तिवारी, सुग्रीव, बृज बिहारी तिवारी, श्याम बिहारी तिवारी एवं यशोदा देवी पर भी हमला बोल दिया। आरोप है कि सभी को बेरहमी से पीटा गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गए और मरणासन्न स्थिति में पहुंच गए। घटना की सूचना पर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपियों ने उग्र होकर पुलिस के सरकारी वाहन पर भी पथराव कर दिया, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। हालात बिगड़ते देख गांव के अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।घायलों को तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद से गांव में तनाव और दहशत का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बढ़ा दी है। इस संबंध में थाना प्रभारी कौंधियारा कुलदीप शर्मा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है। पुलिस वाहन पर पथराव की घटना को भी गंभीरता से लिया गया है। आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं तथा पूरे मामले की जांच की जा रही है।

चार आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को मिला नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेट प्रमाण पत्र

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद ने बताया है कि एनएचएसआरसी भारत सरकार द्वारा क्वालिटी एश्योरेंस कार्यक्रम के अन्तर्गत चिकित्सा इकाइयों आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को विभिन्न पैरामीटर परखने के उपरान्त नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है। इस क्रम में जनपद के चार उपकेंद्र स्तरीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर क्रमशः कुंडा के सहावपुर, कालाकांकर के लवाना, सांगीपुर के दर्रा तथा सुखपाल नगर के राजगढ़ को एन०क्यू०ए०एस० (नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेट) प्राप्त हुआ है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर दर्रा में सी०एच०ओ० दीक्षा सिंह तथा ए०एन०एम० सपना भारती, सहावपुर में सी०एच०ओ० सरिता त्रिपाठी तथा ए०एन०एम० प्रीति गुप्ता, राजगढ़ में सी०एच०ओ० प्रिया सिंह तथा ए०एन०एम० प्रतिमा गुप्ता तथा लवाना में सी०एच०ओ० दिव्या नायर तथा ए०एन०एम० कल्पना मिश्रा के तैनाती है जिनके द्वारा अपने-अपने आयुष्मान अरोग्य मंदिर के डॉक्यूमेंट सक्षम पोर्टल पर अपलोड किए गए जिसके आधार पर एन०एच०एस०आर०सी० की टीम ने असेस्मेन्ट करके एन०क्यू०ए०एस० (नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेट) हेतु उत्तीर्ण किया।इस कार्य में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुंडा के अधीक्षक डा० राजीव कुमार त्रिपाठी, कालाकांकर के अधीक्षक डा० राजीव द्विवेदी, सांगीपुर के अधीक्षक डा० आनंद तिवारी तथा सुखपाल नगर के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर दिनेश सरोज तथा सम्बंधित ब्लाक के बी०पी०एम० एवं बी०सी०पी०एम० का सहयोग प्राप्त हुआ। जनपद स्तर से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० ए०एन० प्रसाद के मार्गदर्शन में प्रभारी क्वालिटी कन्सल्टेंट डा० हरीश, डी०पी०एम० डा० आर०बी० यादव तथा डी०सी०पी०एम० मो० नाजिम द्वारा समय-समय पर इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के सी०एच०ओ० एवं ए०एन०एम० को गाइड किया गया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा बताया गया कि इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को रुपए 126000 का वार्षिक इन्सेन्टिव 3 वर्षों तक प्राप्त होगा जिससे 75 प्रतिशत केंद्र के मेन्टेनेन्स ध्गैप एनालिसिस तथा 25 प्रतिशत धनराशि स्टाफ के लिए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अब तक कुल 30 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को एन०क्यू०ए०एस० का प्रमाण पत्र भारत सरकार से प्राप्त हो चुका है। इसके साथ सम्बंधित सभी को बधाई एवं शुभकामना भी दिया है।

अनुसूचित जाति के ऋण गृहीताओ को ऋण मुक्त होने का सुनहरा अवसर

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) नागेन्द्र कुमार मौर्य ने बताया है कि उ0प्र0 अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड के ऐसे ऋण गृहीताओं जिन्होने अब तक अपना बकाया ऋण जमा नहीं किया है, को बकाया ऋण व छूट के साथ ब्याज जमा करने हेतु वर्तमान सरकार ने नई एक मुश्त समाधान योजना लागू की है। योजना दिनांक 01 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक लागू है। अनुसूचित जाति के ऋण गृहीताओं को ऋण मुक्त होने का सुनहरा अवसर है। नई एक मुश्त समाधान योजना में ऋण बकायेदारो को पूरी धनराशि एक मुश्त जमा करने पर दण्ड ब्याज की पूरी धनराशि व चक्रवृद्धि ब्याज की पूरी धनराशि माफ कर दी जायेगी। बकायेदारो से केवल ऋण अवधि (30ध्60 माह, जो भी लागू हो) का ही साधारण ब्याज देकर उन्हें ऋण मुक्त प्रमाण पत्र दे दिया जा रहा था। योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु किसी भी कार्य दिवस में विकास भवन कार्यालय अथवा सम्बन्धित विकास खण्ड में तैनात सहायकध्ग्राम विकास अधिकारी (स0क0) से सम्पर्क कर योजना की जानकारी प्राप्त कर सकते है।

एसआईआर के नाम पर लगभग तीन करोड़ मतदाताओं का नाम हटना लोकतंत्र के लिए घातक : प्रमोद तिवारी

राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता ने एसआईआर को लेकर भाजपा पर बोला तीखा हमला

अखंड भारत संदेश

लालगंज। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने उत्तर प्रदेश में एसआईआर के नाम पर लगभग तीन करोड़ मतदाताओं के नाम कटने को लेकर लोकतंत्र का गला घोटना करार दिया है। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश में एसआईआर को लेकर पहले ही कांग्रेस ने यह आशंका व्यक्त की थी कि इस प्रक्रिया के जरिए भाजपा निर्वाचन आयोग से मिलीभगत कर मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने का षडयंत्र कर रही है। उन्होने कहा कि एसआईआर के नाम पर सत्तारूढ़ बीजेपी लोकतंत्र को लगातार कमजोर करने का कुचक्र रच रही है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में लगभग दो करोड़ नवासी लाख वोट कटे हैं। उन्होने कहा कि प्रदेश में लगभग अठारह से उन्नीस प्रतिशत वोट काटे हैं। सांसद प्रमोद तिवारी ने दावा किया है कि इनमें दो करोड़ सत्रह लाख वे मतदाता हैं जो अनुपस्थित पाये गये हैं या फिर लापता हैं। उन्होने कहा कि मतदाता सूची से नौकरीपेशा वाले तथा तमाम मजदूर वर्ग व पिछडे एवं दलित वर्ग के गरीब हैं। उन्होने कहा कि इनमें अल्पसंख्यक फेरी लगाने वाले वे लोग भी शामिल हैं जो रोजीरोटी के सिलसिले में बाहर गये हैं और समय से आकर अपना फार्म नहीं भर सके। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा है कि एसआईआर से पहले उ0प्र0 में पन्द्रह करोड़ चैवालिस लाख तीस हजार मतदाता थे। उन्होने कहा कि इनमें से छियालिस लाख तेईस हजार मृतक हैं और पचीस लाख सैतालिस हजार के नाम एक से अधिक स्थानों पर सूची में पाये गये थे। उन्होने कहा कि एसआईआर के बाद अब बारह करोड़ पचपन लाख छप्पन हजार पचीस मतदाता बचे हैं। उन्होने कहा कि देश के तमाम प्रदेशों की आबादी भी तीन करोड़ नही है। उन्होने यह भी कहा है कि दुनिया के लगभग चालीस से पचास देश ऐसे है जिनकी आबादी भी तीन करोड़ नही है। सांसद प्रमोद तिवारी ने आश्चर्य जताया है कि उ0प्र0 में लगभग तीन करोड़ मतदाताओं के नाम एसआईआर के नाम पर मतदाता सूची से काट दिये गये हैं। उन्होने सवालिया अंदाज में कहा है कि यह नाम क्यों काटे गये? इसका कोई स्पष्ट कारण नहीं हैं। उन्होने कहा कि ऐसी स्थिति को भांपते हुए कांग्रेस पार्टी ने सुझाव दिया था कि एसआईआर की प्रक्रिया को एक दो माह नहीं बल्कि साल दो साल चलाना चाहिए था। उन्होने कहा कि ऐसा होने पर जो लोग बाहर जाते हैं वह साल में एक या दो बार बाहर से वापस आते हैं तो उन्हें फार्म भरने का मौका मिल जाता। उन्होने कहा कि पात्र मतदाताओं को पर्याप्त समय न देकर उत्तर प्रदेश में पूरी तरह से लोकतंत्र पर आघात पहुंचाया गया है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा है कि एसआईआर के लिए पर्याप्त समय नही मिलने को लेकर मानसिक दबाव की वजह से प्रदेश में कई बीएलओ की मौतें भी हुई हैं। उन्होने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे गये हैं उनके साथ विश्वासघात और छल हुआ है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि मताधिकार का हक छीनने को लेकर भाजपा को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होने कहा कि मतदाताओं का श्राप भाजपा को लगेगा और उत्तर प्रदेश से ऐसे में भाजपा का पूरी तरह सफाया होना तय है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि संविधान में यह खूबसूरत प्राविधान है कि एक राजा का भी एक वोट और गरीब का भी एक वोट बराबरी का दर्जा रखता है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह खूबसूरत अधिकार भारतीय जनता पार्टी को कभी पसन्द नही आया और समय समय पर संविधान के साथ विश्वासघात करने पर अमादा रहा करती है। सांसद प्रमोद तिवारी का बयान बुधवार को यहां मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से निर्गत हुआ है।

त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण हेतु कार्यक्रम जारी

प्रतापगढ़। जिला मजिस्ट्रेटध्जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) शिव सहाय अवस्थी ने त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का वृहद पुनरीक्षण कराये जाने हेतु कार्यक्रम की समय सारिणी जारी कर दी है। उन्होने बताया है कि दिनांक 07 जनवरी से 20 फरवरी 2026 तक दावेध्आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तलिखित पाण्डुलिपियां तैया करना, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा करना एवं एवं सम्भावित डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापनध्निस्तारण की कार्यवाही की जायेगी। दिनांक 20 फरवरी से 16 मार्च तक दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त पूरक सूचियो की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी तथा उन्हें मूल सूची में यथा स्थान समाहित करने की कार्यवाही की जायेगी। दिनांक 17 मार्च से 27 मार्च तक पूरक सूचियो की कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्रध्स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदान स्थलां के वार्डो की मैपिंग, मतदाता क्रमांकन, एसवीएन आवंटन, मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियां कराने आदि की कार्यवाही होगी। दिनांक 28 मार्च 2026 को निर्वाचक नामावलियों का जन सामान्य के लिये अन्तिम प्रकाशन किया जायेगा। उन्होने बताया है कि निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेगे तथा निर्धारित समय सारिणी के अनुसार निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कराया जायेगा।

युवती के गायब होने पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के पीड़ित के अनुसार बीती चार जनवरी को दोपहर करीब बारह बजे उसकी अठारह वषीर्या भतीजी घर से आधार संशोधन कराने की बात कहकर लालगंज बाजार गयी थी। युवती के वापस न लौटने पर परेशान परिजनों ने काफी खोजबीन की। लेकिन कहीं पता नही चला। परेशान परिजनों ने पुलिस को अनहोनी की आशंका जताते हुए तहरीर सौपी। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया गया है।

जनपद में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। विकास खण्ड सदर मे जगवन्ती प्रिन्टिंग प्रेस, कुमार प्रिन्टिग प्रेस, विद्या प्रिन्टिग प्रेस, प्रतीक ज्वैलर्स के दुकानों पर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 प्रतापगढ़ की टीम द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत लगभग 150 लोगों को ऑनलाइन पोर्टल लिंक के माध्यम से शपथ दिलाया गया और सभी लोगों को बाल विवह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के बारे में विस्तार पूर्व बताया गया। इसी प्रकार क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान (अफीम कोठी) में हब फॉर इम्पावरमेन्ट की टीम द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत लगभग 90 लोगों को ऑनलाइन पोर्टल लिंक के माध्यम से शपथ दिलाया गया और सभी लोगों को बाल विवह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के बारे में विस्तार पूर्व बताया गया। दिनांक 01.01.2026 से लगातार जैसे- बेल्हा देवी धाम, चन्द्रिकन धाम सण्डवा चन्द्रिका, शीतला धाम कटरा, बाल विकास परियोजना अधिकारी सदर आदि स्थलों पर बाल विवाह मुक्त भारत अभियान हब फॉर इम्पावरमेन्ट की टीम द्वारा चलाया गया। दिनांक 28.11.2025 से लगातार जैसे- कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय मानधाता, ग्राम पंचायत गनईडीह, सैयद यासीनपुर नवाबगंज, घुईसरनाथ संगीपुर, जिला चिकित्सालय प्रतापगढ़, निर्मला पब्लिक स्कूल देवकली, गर्ल्स इन्टर कालेज प्रतापगढ़, रामपुरिया गार्डेन कटरा, कस्तूरबा गांधी विद्यालय विकास खण्ड पट्टी, स्कालर्स ऐकडमी भंगवा चुगीं, कौशल विकास केन्द्र चिलबिला प्रतापगढ़ आदि स्थलों पर बाल विवाह मुक्त भारत अभियान चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 प्रतापगढ़ की टीम द्वारा चलाया गया।

अज्ञात चालक पर लापरवाही का केस दर्ज

प्रतापगढ़। लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए दुर्घटना करने के आरोप को लेकर अज्ञात बोलेरो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। लालगंज कोतवाली के रायपुर भगदरा गांव निवासी अरूण मौर्य पुत्र राम पदारथ मौर्य ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती सत्रह नवंबर को दोपहर करीब तीन बजे उसके पिता घर से रायपुर तियांई चैराहे पर सामान लेने जा रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान सड़क किनारे खड़े पीड़ित के पिता को अज्ञात बोलेरो चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। जिससे रामपदारथ गंभीर रूप से घायल हो गये। एम्स रायबरेली में उनका इलाज जारी है। पीड़ित का यह भी आरोप है कि बोलेरो मालिक ने इलाज के लिए पचास हजार रुपए देने की बात कही लेकिन बाद में इंकार कर दिया।

न्यूज झरोखा

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश हेतु 31 जनवरी तक करें आवेदन

प्रतापगढ़। सहायक श्रम आयुक्त सुविज्ञ सिंह ने बताया है कि उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित अटल आवासीय विद्यालय बेलहट कोरांव प्रयागराज में प्रवेश सत्र 2026-27 के लिए कक्षा-6 में 160 बच्चे (80 बालक एवं 80 बालिकाएं) तथा कक्षा-9 में 61 बच्चे (30 बालक एवं 31 बालिकायें) को प्रवेश दिया जायेगा। प्रवेश हेतु पात्र विद्यार्थी 31 जनवरी 2026 तक ऑफलाइनध्आनलाइन आवेदन कर सकते है। अटल आवासीय में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चे (जिनकी सदस्यता 30 नवंबर 2025 तक न्यूनतम तीन वर्ष पूर्ण हो) के बच्चे, कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चे एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के अंतर्गत आने वाले बच्चे प्रवेश हेतु पात्र हैं। प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन-पत्र जनपद प्रतापगढ़ के सभी खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय, बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, उपायुक्त मनरेगा कार्यालय, जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय एवं तहसील स्तरीय श्रम कार्यालयों से प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। सीबीएसई से संबद्ध अटल आवासीय विद्यालय एक आधुनिक सह-शैक्षिक आवासीय विद्यालय है, जहाँ विद्यार्थियों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय, वेशभूषा, स्टेशनरी, भोजन तथा बालक एवं बालिकाओं के लिए पृथक छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

सड़क हादसे में महिला की मौत, चालक पर मुकदमा दर्ज

पट्टी। आसपुर देवसरा क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। पीड़ित युवक की तहरीर पर पुलिस ने लापरवाह चार पहिया वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार हिमांशु सिंह पुत्र जय सिंह, निवासी ग्राम कोडरा मादूपुर (वैशनपुरवा), थाना रानीगंज ने बताया कि 26 अक्टूबर 2025 को वह अपनी मां रागिनी सिंह के साथ बाइक से नेवादा बदलापुर (जनपद जौनपुर) स्थित मामा के घर जा रहा था। रास्ते में भीखमपुर गौरामाफी के पास तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने लापरवाही से बाइक में टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सरकारी एंबुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी ले जाया गया, जहां हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने प्रयागराज रेफर कर दिया। इलाज के दौरान 2 नवंबर 2025 को रागिनी सिंह की मौत हो गई।पीड़ित हिमांशु सिंह ने बताया कि पारिवारिक परिस्थितियों के कारण वह पहले तहरीर नहीं दे सका। इस संबंध में थाना अध्यक्ष विजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

तीन आरोपियों के खिलाफ मारपीट व धमकी का केस

प्रतापगढ़। मारपीट व धमकी की घटना को लेकर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उदयपुर थाना क्षेत्र के कुम्भीडीहा गांव निवासी मनीष कुमार पुत्र रामकुमार जायसवाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती पांच जनवरी की शाम करीब सात बजे वह अपने खेत की सिंचाई करके घर लौट रहा था। आरोप है कि इसी दौरान गांव के शिवपूजन, हरिओम पुत्रगण संतराम व सालिकराम पुत्र शारदा ने पुरानी रंजिश को लेकर गाली देते हुए उसे मारापीटा तथा जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार का कहना है कि जांच के बाद तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

फसलों में रोग-कीट नियंत्रण को लेकर उद्यान विभाग की एडवाइजरी जारी

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने कृषकों को शाकभाजी एवं औद्यानिक फसलों पर मौसम के प्रभाव से बचाव के सम्बन्ध में जानकारी देते हुये शाकभाजी की व्यावसायिक खेती के बारे में बताया है कि सब्जियों के खेतों में विशेषतया टमाटर, मिर्च फसल में विषाणु रोग का प्रकोप अधिक हो रहा है। इसका फैलाव सफेद मक्खीध्हापर कीट के द्वारा होता है। इसके फैलाव की रोकथाम हेतु फिप्रोनिल 5 प्रतिशत एस0सी0 अथवा इमिडाक्लोप्रिड (17.8 प्रतिशत) एस0एल0 0.5 मिली0 को प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आलू की फसल में झुलसा बीमारी को रोकथाम हेतु मैन्कोंजैबध्प्रोपीनेबध्कार्बेडाजिन युक्त फफूंदनाशी की 2.0-2.5 कि0ग्रा0 मात्रा 1000 ली0 पानी में घोलकर प्रति हेक्टर छिड़काव करें। जिन खेतों में बीमारी का प्रकोप हो चुका है, उनमें किसी भी फफूंदनाशक-साईमोक्सेनिल 8 प्रतिशत . मैन्कोंजेब 64 प्रतिशत डब्लूपी का 2-2.5 किग्रा0 1000 लीटर पानी में घोलकर 16-16 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें। गोभीवर्गीय फसलों में डायमंड बैक मौथ का प्रकोप होने पर क्लोरेन्टशनिलिप्रोल 0.5-1 मिली रसायन प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर का छिड़काव करें।ह्व टमाटर तथा मिर्च की फसल को झुलसा रोग से बचाव हेतु 0.2 प्रतिशत (2 ग्रामध्ली0) की दर से मैन्कोजेब का छिड़काव करें। फसल को रस चूसक कीटों से बचाव हेतु नीम सीड कर्नल स्ट्रैक्ट 3-5 ग्राम या फिप्रोनिल (5 प्रतिशत) एस0सी0, 0.5-0.75 मिली रसायन प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।उन्होने फल बागवानी के सम्बन्ध में बताया है कि आम के बागों की जुताई करें ताकि मिज कीट, फल मक्खी, गुजिया कीट एवं जाला कीट की वे अवस्थायें जो जमीन में दूसरे वर्ष आने तक पड़ी रहती है, नष्ट हो जाये। दिसम्बर से जनवरी माह में पुरानी अनुत्पादक बागों का जीर्णोद्वार अन्तर्गत घनी शाखाओं का कटाई-छटाई का कार्य करें तथा कटे भाग पर कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का लेप लगाये। आमध्लीची में मिलीबग (गुजिया) कीट को पेड़ों पर चढ़ने से रोकने के लिए पेड़ के तनों पर चारो ओर 400 गेज की मोटी सफेद पॉलीथीन की 25 सेन्टीमीटर की चैड़ी पट्टी लपेटकर भूमि से लगभग 40 सेन्टीमीटर ऊपर मिट्टी की पतली परत चढ़ा दें तथा नियन्त्रण हेतु 2 प्रतिशत लैम्बडा साइहैलोथ्रिन 10 प्रतिशत डब्लू० पी० 100 ग्रा0 प्रति पेड़ तने के चारो ओर बुरकाव करें। आम में यदि शाखाओं में डाइबैंक रोगध्गोंद निकलने की समस्या हो तो पौधों की जड़ों के पास 200-400 ग्रा० कॉपर सल्फेट प्रति वृक्ष की दर से प्रयोग करें तथा थायोफिनट मिथाइल 01 मिली रसायन प्रति लीटर पानी में घोलकर पर्णीय छिड़काव करें। अमरूद की छाल खाने वाली इल्ली की रोकथाम के लिए सबसे पहले पतले तार या साइकिल की तीली से सुराखों की सफाई करें, नियन्त्रण हेतु क्लोरेन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 प्रतिशत एस०सी० 1 मिली० प्रति ली० में घोल कर छिड़काव करें।उन्होने फूलों की व्यावसायिक खेती के सम्बन्ध में बताया है कि गुलाब में बडिंग का कार्य, सिंचाई, निराई, सफाई करें एवं पत्तियों में ब्लैक लीफ स्पॉट रोग जिसमें पत्तियां झुलसी हुई प्रतीत हो कार्बेडाजिम 3.0 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 8-10 दिनों के अन्तराल पर छिड़काव करें। ग्लैडियोलस में सिंचाई, निराई गुड़ाई करें तथा मुरझाई हुई टहनियों को निकालते रहे एवं फूल खिलने के बाद डंठलों की कटाई-छटाई करें। रोजरी में लगे गुलाब को पौधों की कटिंग उपरान्त विंटरिंग के लिए खोदे गये गड्ढो की मिट्टी में कम्पोस्ट, उर्वरक, नीम खली, बोनमील का मिश्रण निर्धारित अनुपात में मिलाकर भराई करें।एकीकृत कीट प्रबन्धन के लिए रबी मौसम की समस्त शाकभाजी फसलों में नीम सीड कर्नल एक्सटैक्ट (एनएसकेई) 5 मिली0 प्रति 10 लीटर हल्के गरम पानी में मिलाकर छिड़काव करें। इसका छिड़काव 10-15 दिनों के अन्तराल पर करना चाहिए।

ससुराल में रह रहे दंपति से मारपीट, छप्पर तोड़ा

पट्टी। कोतवाली पट्टी क्षेत्र के होशियापुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर विपक्षियों द्वारा एक दंपति के साथ मारपीट करने व घर का छप्पर तोड़ने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।होशियापुर गांव निवासी दयाचंद ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह अपनी ससुराल में रहकर जीवन यापन करता है, जिसको लेकर विपक्षी उससे रंजिश रखते हैं। आरोप है कि मंगलवार की शाम करीब चार-पांच लोग उसके घर पर चढ़ आए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर दयाचंद व उसकी पत्नी प्रभावती के साथ मारपीट की गई तथा छप्पर को पीटकर तोड़ डाला गया।आरोप है कि जाते समय विपक्षियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित ने शाम कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है, जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सनातन धर्म के लिए राकेश सरोज कर रहे मजबूत कार्य

कुंडा। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री कुंडा विधायक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह (राजा भइया) के विचारों से प्रेरित होकर बाबागंज विधानसभा के सराय खान देव के लाला का पुरवा निवासी जिला पंचायत सदस्य राकेश सरोज निरंतर सनातन धर्म को बढ़ावा देने के लिए अग्रसर हैं। पत्रकारों से वार्ता करते हुए राकेश सरोज ने कहा राजा भइया परिवार के मुखिया हैं और उनके संबोधन से प्रेरणा लेकर हम सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में जुटे हैं।राकेश सरोज ने अपने समाज (सरोज समाज) के लोगों से भावुक अपील की कि सभी लोग सनातन धर्म के लिए निरंतर काम करें और जात-पात की भावना को छोड़कर एकजुट हों। उन्होंने कहा सभी जातियों को एक होने की जरूरत है, तभी समाज का सही विकास होगा। इसके अलावा, हमें आपसी भाईचारा और सद्भाव भी बनाए रखना होगा। गाँव-गाँव जाकर राकेश सरोज राजा भइया के सनातन धर्म पर दिए गए संबोधन के वीडियो दिखाकर सरोज समाज के लोगों को जागरूक कर रहे हैं, ताकि समाज में प्रेम, सौहार्द और धार्मिक एकता बढ़े। राकेश सरोज ने बताया कि वे समाज के बच्चों को भी जागरूक करने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं, ताकि नई पीढ़ी सनातन धर्म के मूल्यों को समझ सके।

कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित हुआ स्वागत समारोह

प्रतापगढ़। बुधवार को कांग्रेस कार्यालय इन्दिरा भवन पर आयोजित स्वागत समारोह में शिर्ष नेत्तृत्व द्वारा क्रमशः खेल कूद प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष दुर्गेश तिवारी,एसआईआर निगरानी कमेटी का जिला कोऑर्डिनेटर रामशिरोमणि वर्मा व मनरेगा बचाओ संग्राम का जिला कोऑर्डिनेटर रवि भूषण सिन्हा को नियुक्त किए जाने के उपरान्त कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में माला पहनाकरस्वागत सम्मान किया गया गया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के माध्यम से चुनिन्दा लोगों को कांग्रेस के फ्रंटल विभाग एवम प्रकोष्ठ में जगह मिल रही है। राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय एवम सीएलपी नेता एवम रामपुर खास की विधायक आराधना मिश्र मोना की संस्तुति पर शिर्ष नेत्तृत्व द्वारा नियुक्त किया गया है। सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि शिर्ष नेत्तृत्व के दिशा निर्देश व उनके विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी उसे पूर्ण करने का कार्य करूँगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष वेदान्त तिवारी नगर अध्यक्ष मो.इस्तियाक, जिला प्रवक्ता सुरेश मिश्र जिला प्रवक्ता मासूम हैदर कार्यालय सचिव रियाज सुल्तान सदर ब्लॉक अध्यक्ष मो.वासिम मंगरौरा ब्लॉक अध्यक्ष महेन्द्र मिश्र सड़वा चंद्रिका ब्लॉक अध्यक्ष मो.कासिम शहीद रितेश पाल मंडल अध्यक्ष सलमान खान चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉ.दीपक शुक्ल रहमान नेता जिला महासचिव अंजली उपाध्याय जिला महासचिव चन्द्रनाथ शुक्ल जिला सचिव विजय प्रताप त्रिपाठी जिला सचिव सुधांशु शुक्ल जिला सचिव आशिक अली जिला सचिव मो. दिलशाद अश्वनी उपाध्याय रवि प्रताप सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

रंजिश में हुई मारपीट, तीन पर एससीएसटी का केस

लालगंज। रंजिश में हुई मारपीट की घटना को लेकर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एससीएसटी व मारपीट का केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के हलई का पुरवा पूरे बसन्तराय निवासी लालजी सरोज पुत्र जगेसर ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती पांच जनवरी की शाम करीब चार बजे वह घर से तालाब पर जा रहा था। आरोप है कि इसी बीच रास्ते में सेवकराय गजा का पुरवा गांव निवासी इन्द्रेश पटेल व देशराज पुत्रगण रामसजीवन तथा कमल पुत्र देशराज हमलावर हो उठे। आरोपीगण जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली देते मारने पीटने लगे। पीडित के शोर मचाने पर आरोपीगण जान से मारने की धमकी देते चले गये। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद तीन आरोपियो के खिलाफ एससीएसटी, मारपीट व धमकी का केस दर्ज किया गया है।

सपा कार्यालय पर मासिक बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बुधवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय मीराभवन पर मासिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष राजकुमार यादव व संचालन जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी ने किया। बैठक में मुख्य एजेंडा एसआईआर प्रक्रिया की प्रगति पर रही। एवं उपस्थित सभी पदाधिकारीगण नेतागण एवं कार्यकताओं ने अपने अपने सुझाव व विचार दिए। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के बाद प्रकाशित नई मतदाता सूची में अधिकांश लोगों के नाम गलत प्रकाशित हुए है और कुछ नाम दूसरे वार्ड में परिवर्तित कर दिये गये है जिससे मतदाताओं में असंतोष व्याप्त है। साथ ही कार्यालय पर विधानसभा अध्यक्ष व सेक्टर से लेकर बूथ प्रभारियों को नई मतदाता सूची सौंपते हुए निर्देशित किया गया कि सभी बीएलए अपने अपने वार्ड की मतदाता सूची की गहन पुनिरीक्षण कर गलत प्रकाशित नामों को संशोधित करवा लें, एवं 18 वर्ष उम्र पूर्ण कर लिये लोगों का नाम बढ़वा लें। जिससे सभी लोगों का नाम मतदाता सूची में प्रकाशित हो जाये। और नये मतदाताओं के दम पर ही 2027 में सरकार बदलाव हो सकता है।समाजवादी पार्टी की सरकार बनाया जा सकता है। मौजूदा भाजपा सरकार झूठ फरेब जन विरोधी सरकार है। इस सरकार में पूंजीपतियों को बढ़ावा लाभ पहुंचाया जा रहा है। मंहगाई चरम पर है। बदलाव के लिए सभी पदाधिकारीगण बूथ स्तर पर च्च। पंचायत चैपाल लगायें। जनता को जागरूक करें। इस अवसर पर रामपुर खास विधानसभा के लालजी मिश्रा व विश्वनाथगंज विधानसभा के रिटायर्ड फौजी शिवप्रसाद सोनी ने समाजवादी पार्टी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी में अपनी आस्था रखते हुए दर्जनों साथियों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पूर्व विधायक नागेन्द्र सिंह मुन्ना यादव पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष मनीष पाल नगर अध्यक्ष निसार अहमद महिला सभा अध्यक्ष शान्ति सिंह डॉ.रामबहादुर पटेल राजू यादव अनिल मौर्या विपिन सरोज कामता पटेल सुरेश यादव प्रकाशचन्द्र उपाध्याय रामधन यादव विनीत यादव अहमद अली अब्दुल हई, पारस नाथ यादव, समीम खान सचिन शमारोहित विश्वकर्मा सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

प्राचीन हनुमान मंदिर को तोड़ने का प्रयास कर रहे थे एनएचएआई के अधिकारी भड़क गए ग्रामीण

अखंड भारत संदेश

700 वर्ष पुराने प्राचीन ऐतिहासिक हनुमान मंदिर में लाखों भक्त प्रतिवर्ष करते हैं दर्शन

हनुमान मंदिर के अगल-बगल तमाम संपदा के साथ कई साधु संत और सन्यासियों की समाधि स्थल भी है

कोखराज कौशाम्बी। हिंदुओं की आस्था का केंद्र 700 वर्ष से अधिक पुराना सिराथू तहसील क्षेत्र के कासिया पश्चिम गांव के राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित 700 वर्ष से अधिक प्राचीन हनुमान मंदिर राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण के लिए दूसरे स्थान पर स्थापित कराया जा रहा था जिस पर मंदिर तोड़े जाने का ग्रामीणों ने विरोध किया था जिसके बाद अधिकारियों के बीच वार्ता से यह तय हुआ कि मंदिर का निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा नए स्थान पर कराया जाएगा और जब नए स्थान में मंदिर निर्माण हो जाएगा तो उसके बाद पुराने स्थान की मंदिर से हनुमान जी की मूर्ति को नए भवन में स्थापित किया जाएगा उसके बाद हनुमान मंदिर के पुराने भवन को तोड़कर सड़क का निर्माण कराया जाएगा लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों द्वारा हनुमान मंदिर के नए भवन का निर्माण पूरा नहीं किया है मंदिर का नया भवन अभी निर्माण अधीन है 22 जनवरी को नए मंदिर परिसर में मूर्ति की प्रतिष्ठा की तारीख उप जिलाधिकारी सिराथू योगेश गौड़ द्वारा निर्धारित की गई है लेकिन उसके पहले 08 जनवरी को राष्ट्रीय राजमार्ग के तानाशाह अधिकारी हनुमान मंदिर और मूर्ति को तोड़ने जेसीबी मशीन लेकर तमाम मजदूर के साथ पहुंच गए मंदिर तोड़ने का प्रयास राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों द्वारा किया गया इस बात की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को लगी आक्रोश व्याप्त हो गया और मौके पर तमाम ग्रामीण पहुंच गए ग्रामीणों समेत पुजारी अधिकारियों पर भड़क गए कि बिना नए भवन पर हनुमान जी की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा किए पुराने मंदिर भवन को नहीं तोड़ने दिया जाएगा एनएचएआईके तानाशाह अधिकारियों ने हनुमान मंदिर के पुजारी को उल्टा सीधा कहना शुरू कर दिया जिस पर पुजारी भी भड़क गए मामला तनावपूर्ण हो गया लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी तानाशाही पर उतारू रहे और वह मंदिर और मूर्ति को तोड़ने का लगातार प्रयास करते रहे मामले की जानकारी पर उप जिला अधिकारी सिराथू योगेश गौड़ भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुजारी सहित ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि नए मंदिर भवन के निर्माण के बाद मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा नए भवन में कराई जाएगी उसके बाद मंदिर के पुराने भवन को तोड़ा जाएगा एसडीएम ने एनएचएआई के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और कहां कि मंदिर के पुजारी से इस तरह की बात मत करें राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण के नाम पर जिस तरह से हिंदुओं की आस्था के साथ निर्माण में लगे ठेकेदार और उनके अधिकारी तानाशाही कर रहे हैं जिससे ग्रामीणों का आक्रोश भी इन अधिकारियों को भुगतना पड़ रहा है बताते चलें कि मंदिर परिसर और उसके अगल-बगल मंदिर की तमाम संपदा है और तमाम साधु संत और सन्यासियों की यहां समाधि स्थल भी है जो जनता के आस्था का केंद्र है और लाखों भक्त इस मंदिर में प्रत्येक वर्ष पूजा अचर्ना भंडारा करने पहुंचते हैं।

बीडीओ नाली का निर्माण कराकर जल-जमाव की निकासी सुनिश्चित कराए : डीएम

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने बुधवार को जल-जमाव के कारण ग्रामवासियों को होने वाली समस्याओं के समाधान के दृष्टिगत विकास खण्ड मूरतगंज की ग्राम-सैयद सरावां में मौके पर जाकर वस्तुस्थिति का जायजा लिया जिलाधिकारी ने नायब तहसीलदार संजय कुमार को तालाब की पैमाइश कराने के निर्देश दिए। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को नाली का निर्माण कराकर जल-जमाव की निकासी सुनिश्चित कराने तथा ग्राम में बेहतर साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर उपस्थित ग्रामवासियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए

धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार में हुआ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। नशा मुक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत धूम्रपान एवम तम्बाकू नियंत्रण हेतु दिनांक 07 दिसम्बर 2025 बुधवार को धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत विद्यालय में स्कूल रैली, नाटक, पोस्टर पेंटिंग व स्लोगन पर छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग कर जन मानस को नशा मुक्त रहने के लिए जागरूक किया आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में स्कूल रैली में नैन्शी तिवारी को प्रथम, नैन्सी सिंह को द्वितीय, कनिका साहू को तृतीय स्थान; नाटक प्रतियोगिता में रिया चौधरी को प्रतियोगिता, स्नेहा को द्वितीय, सृष्टि को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में स्वास्तिक सिंह को प्रथम, हिमांशी को द्वितीय, प्रतिज्ञा को तृतीय स्थान; लोगों को जागरूक करने के लिए तैयार किए गए स्लोगन में अनामिका को प्रथम, रुकसार बानो को द्वितीय व गौरी देवी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ राम किरण त्रिपाठी ने स्थान अर्जित करने वाले छात्र/छात्राओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया व लोगों को नशा से दूर रहकर नशा मुक्त स्वस्थ भारत बनाने के लिए आग्रह किया।इस कार्यक्रम के अवसर पर राम शंकर सिंह आदित्य कुमार द्विवेदी वरुण प्रकाश जोशी सज्जन सिंह राम चन्द्र पाल धर्मेन्द्र कुमार चौधरी के साथ विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

निजी भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को सरकारी भवनों में कराएं शिफ्ट : डीएम

शासन द्वारा अनुमन्य सभी सुविधाएं लाभार्थियों को समय से मिले

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने बुधवार को उदयन सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक की।बैठक में जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं सभी सी.डी.पी.ओ. से निजी भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि 05 दिवस के अंदर सूची तैयार कर जिला पंचायतराज अधिकारी एवं खण्ड विकास अधिकारी से समन्वय कर निजी भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को सरकारी भवनों में शिफ्ट कराया जाय। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाय कि सभी आंगनबाड़ी केंद्र प्रतिदिन समय से अवश्य खुले तथा विगत कई दिनों से अनुपस्थित रहने वाले बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर, उन्हें प्रतिदिन आंगनबाड़ी केंद्र भेजने के लिए प्रोत्साहित किया जाय। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी से कहा कि सी.डी.पी.ओ. कार्यालय में स्थित गोदाम की खंड विकास अधिकारी से जांच कराकर पाई गई कमियों को ठीक करने के लिए आवश्यक कायवाही सुनिश्चित की जाय। इसके साथ ही उन्होंने पोषण ट्रैकर पर फीडिंग में शत-प्रतिशत प्रगति लाने के निर्देश दिए जिलाधिकारी ने सी.डी.पी.ओ. एवं मुख्य सेविकाओं से सैम एवं मैम बच्चों की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि अपने कार्यों की विधिवत जानकारी रखें तथा सैम बच्चों को चिन्हित कर पोषण पुनर्वास केंद्र में भती कराए एवं उन बच्चों का फॉलोअप भी करते रहें। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को सी.डी.पी.ओ. एवं मुख्य सेविकाओं के कार्यों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने होम विजिट की समीक्षा के दौरान कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की होम विजिट का सत्यापन भी किया जाय। उन्होंने वी.एच.एस.एन.डी. सेशन की समीक्षा के दौरान पोषण ट्रैकर पर अपेक्षित फीडिंग न पाए जाने पर सी.डी.पी.ओ. चायल, कनैली व सरसवा को चेतावानी जारी करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान जिला पंचायतराज अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग से कहा कि शेष आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करा लिया जाय। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं सभी सी.डी.पी.ओ. से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि शासन द्वारा अनुमन्य सभी सुविधाएं लाभार्थियों को समय से मिले। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध किया जाय।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

जनपद में गौशाला बदलेगी, कृषि का स्वरूप : मुख्य विकास अधिकारी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने ग्राम-अलीपुर जीता में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जनपद में खेती में अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे कि हमारी मिट्टी की उर्वरता शक्ति धीरे-धीरे क्षीण हो रही है। इसके लिए हमें कुछ जैविक उत्पादों का प्रयोग करके अपनी मिट्टी की उर्वरता शक्ति को बढ़ाना है। साथ ही हमारे गांव के वातावरण को सुदृढ़ और गांव के लोगों को स्वस्थ्य रखना है। इसलिए गांव की महिला समूह के द्वारा गौशालाओं में गायों के गोबर से वमी कंपोस्ट का निर्माण करना है तथा उत्पादित वमी कम्पोस्ट का खेतों में प्रयोग करवाना है। इससे महिला समूह की आमदनी भी बढ़ेगी और खेतों की उर्वराशक्ति भी बढ़ेगी। पर्यावरण शुद्ध रहेंगा। उन्होंने कहा कि महिला समूह के विभिन्न सदस्यों के द्वारा इसकी निगरानी की जाएगी और एक छोटी सी दुकान खोलकर वमी उत्पादों को यहां बेचा भी जाएगा, जिससे कि उसकी आमदनी में वृद्धि हो सकें कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार ने वमी कंपोस्ट को कैसे निर्मित किया जाता है, उसमें कौन-कौन से निवेश कितनी मात्रा में डाली जाती है उसका सजीव प्रशिक्षण दिया। खेतों में इसके प्रयोग की उपयोगिता को भी महिला समूह के विभिन्न सदस्यों से साझा की। कृषि विज्ञान केंद्र से आए डॉक्टर अमित कुमार केसरी ने प्राकृतिक खेती के अंतर्गत देसी गाय के गोबर और गोमूत्र से तैयार घनजीवामृत, जीवामृत, बीजमृत एवं अन्य निवेश कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत चर्चा की उप कृषि निदेशक सतेन्द्र तिवारी ने कृषि विभाग से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में बने जैविक उत्पादों को, खेतों पर इसका प्रयोग करने के लिए कृषकों को जागरूक करेंगे।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 09 जनवरी को विकास खण्ड कौशाम्बी में आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार 14 जनवरी को विकास खण्ड चायल, 16 जनवरी को विकास खण्ड मूरतगंज, 19 जनवरी को विकास खण्ड सरसवां, 20 जनवरी को विकास खण्ड सिराथू, 21 जनवरी को विकास खण्ड मंझनपुर एवं 22 जनवरी को विकास खण्ड नेवादा में आयोजित किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा की गई जनसुनवाई

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा दिनांक 07.01.2026 को पुलिस कार्यालय में आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण हेतु जनसुनवाई आयोजित की गई।इस दौरान उपस्थित फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायती प्राथर्ना पत्रों को ध्यानपूर्वक सुना गया तथा संबंधित प्रभारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कायवाही हेतु निर्देशित किया गया।पुलिस अधीक्षक द्वारा यह निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए ताकि आमजन को शीघ्र राहत मिल सके तथा पुलिस पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत एवं सुदृढ़ हो।

न्यूज झरोखा

मनौरी बाजार में रंजिशन चार पहिया से युवक को कुचला, बाइक सवार भी घायल

तिल्हापुर मोड़ कौशाम्बी पिपरी थाना क्षेत्र अंतर्गत मनौरी बाजार चरवा रोड में बुधवार सुबह करीब 10:30 बजे प्रयागराज निवासी बेनीगंज काला डांडा अर्पित केसरवानी पुत्र रामजी केसरवानी ने वस्त्र 70 ॠछ 4339 चार पहिया वाहन से अतुल केसरवानी पुत्र मक्खन केसरवानी के घर पहुंचा और रंजिश के चलते गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा।हल्ला सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा होने लगे तो आरोपित बौखला गया और उसने जानबूझकर अपने चार पहिया वाहन से अतुल केसरवानी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसे गंभीर अंदरूनी चोटें आईं। इतना ही नही भागते समय आरोपी ने पीछे से एक बाइक सवार को भी टक्कर मार दी, जिससे वह भी घायल हो गया।घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी चार पहिया वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने थाना पिपरी पहुंचकर तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। दिनांक 14.12.2025 को थाना कौशाम्बी पर सूचना दी गयी कि अभियुक्त अखिलेश नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर भगा ले गया है तथा जब अभियुक्त के घर बालिका की मां इसकी शिकायत करने गयी तो अभियुक्त के परिजन द्वारा उसके साथ जाति सूचक शब्दो का प्रयोग करते हुये गाली गलौज किया गया व जान से मारने की धमकी दी गयी थाना कौशाम्बी पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत हुआ पुलिस ने बालिका को बरामद कर लिया पीडिता के बयान व साक्ष्य संकलन के आधार पर धारा 65(1) व 3/4 पॉक्सो एक्ट की बढ़ोतरी हुई उपरोक्त क्रम में दिनांक 07.01.2026 थाना कौशाम्बी पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अखिलेश पुत्र स्व0 राजेन्द्र यादव निवासी ग्राम यूसुफपुर रारा डिहवा थाना मंझनपुर को गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया है।

01 किलो 400 ग्राम गांजा के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 07.01.2026 की भोर में गस्त/चेकिंग की जा रही थी इसी दौरान मुखविर की सूचना पर बल्हेपुर कसेंदा मार्ग स्थित ससुर खदेरी नदी पुलिया पर 01 संदिग्ध व्यक्ति शिव सागर पाल पुत्र राम बहोरे पाल निवासी अहमतिया सोधिंया थाना व जनपद कौशाम्बी को चेक किया गया, जिसमें अभियुक्त के कब्जे से 01 किलो 400 ग्राम अवैध मादक पदार्थ (गांजा) बरामद हुआ अभियुक्त के कब्जे से हुई अवैध मादक पदार्थ (गांजा) की बरामदगी के आधार पर मौके से गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया है।

ओवरलोड व बिना प्रपत्र के बालू परिवहन करने वाले 04 वाहन सीज

कौशांबी। जिला मजिस्ट्रेट व पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन व ओवरलोड गाडियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 06/07.01.2026 को थाना महेवाघाट पुलिस व खनिज विभाग कौशाम्बी की संयुक्त टीम द्वारा थाना महेवाघाट व अन्य स्थानो पर अवैध खनन एवं परिवहन व ओवरलोड गाडियों की रात्रि मे चेकिंग किया गया तो 04 अदद ट्रक मौरम लदे हुए ट्रक न0 क्रमशः 1. UP 70ET 5555 14 चक्का 2. UP73 T4709 16 चक्का 3. UP70 GT 1377 14 चक्का 4. UP70 HT 8585 ट्रक 14 चक्का ओवर लोड खतरनाक तरीके से तेज गति से चलाकर व लोड बालू बिना प्रपत्र के परिवहन करते हुए पाये गये, जिसको मौके पर ही खनन विभाग व पुलिस द्वारा अन्तर्गत धारा 207 M.V. Act मे सीज कर सम्बन्धित विभाग को अलग से रिपोर्ट प्रेषित की जा रही है

अपर जिलाधिकारी वि./रा प्रभारी अधिकारी गेहूँ खरीद नियुक्त

कौशाम्बी जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने रबी विपणन वर्ष 2026-27 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत जनपद में कार्यरत समस्त क्रय एजेन्सियों के माध्यम से कृषकों से सीधे गेहूँ क्रय किये जाने के लिए अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) को प्रभारी अधिकारी गेहूँ खरीद नियुक्त किया है, जो अपने निर्देशन में उ.प्र. शासन स्तर द्वारा निर्गत होने वाली गेहूँ क्रय नीति 2026-27 में दी गयी व्यवस्थानुसार गेहूँ खरीद सम्पादित कराएंगी।

नाबालिग बालक बालिकाओं को बॉलिंग बनाने के खेल में एक शिक्षा माफिया माहिर

पहले भी मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस ने भेजा था जेल लेकिन आदत से बाज नहीं आ रहा शिक्षा माफिया, अपराधियों को बचाने वाले शिक्षा माफिया के कारनामे को गंभीरता से लेकर पुलिस को करनी होगी कठोर कार्रवाई

कौशांबी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के करारी थाना अंतर्गत एक गांव का विद्यालय संचालक नाबालिक बालिका और नाबालिक बालक को बालिग बनाकर उनका जन्म तिथि बदलकर अंक पत्र जारी कर पुलिस के मुकदमे में आरोपियों को राहत देने का पूरा प्रयास कर रहा है जिससे पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज करने के बाद नाबालिक को बालिग बनाने के खेल में यह शिक्षा माफिया माहिर है और बालिग युवक को नाबालिक बना कर मुकदमे से बचाने का यह शिक्षा माफिया पूरा प्रयास करता है है फजी तरीके से अंक पत्र प्रमाण पत्र यह शिक्षा माफिया बांट रहा है जिसके बदले में यह मोटी रकम भी वसूल लेता है इसके पहले एक नाबालिक को बालिग बनाकर शिक्षा प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में इस शिक्षा माफिया के विरुद्ध करारी थाना में मुकदमा दर्ज हुआ था पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेजा था लेकिन फिर भी यह शिक्षा माफिया अपने कृत्य से बाज नहीं आ रहा है बताया जाता है कि फिर इस शिक्षा माफिया ने एक नाबालिग बालिका के अंक प्रमाण पत्र में बालिका की उम्र 3 वर्ष बढ़ा करके उसे बालिग बना दिया है जबकि बालिका इस शिक्षा माफिया के विद्यालय में शिक्षा ग्रहण नही कर रही थी फजी माकशीट बनाकर के पुलिस को चकमा देने का प्रयास यह शिक्षा माफिया कर रहा है बेसिक शिक्षा परिषद के परिषदीय विद्यालय में बालिका शिक्षा ग्रहण कर रही थी परिषदीय विद्यालय के अंक पत्र के अनुसार बालिका की उम्र 15 वर्ष है लेकिन इस शिक्षा माफिया ने बालिका की उम्र 18 वर्ष बना कर अंक प्रमाण पत्र जारी कर दिया है जिससे रेप करने के आरोपी युवक को फिर लाभ मिल सकता है नाबालिक से बोलिंग बनाने वाले इस शिक्षा माफिया के कारनामे को यदि अधिकारियों ने संज्ञान लिया तो यह जेल के सलाखों के पीछे होगा।

कभी जिले के धन्ना सेठ में शुमार शिक्षा माफिया आज जूझ रहे हैं आर्थिक संकट से

अखंड भारत संदेश

तीन साल बीत जाने के बाद नहीं कर रहे हैं मजदूरों की मजदूरी का भुगतान

मदारी के बंदर की तरह नचाती हैं ये दुनिया, बेईमानों के आगे ही सिर झुकाती हैं ये दुनिया।

कौशांबी। सिराथू तहसील क्षेत्र के अझुवा क्षेत्र के एक शिक्षा माफिया और उनके परिवार जिले के धन्ना सेठों में शामिल थे तमाम शिक्षण संस्थान आलीशान रहन-सहन करोड़ों के मकान लग्जरी गाड़ी के मालिक इस शिक्षा माफिया के पुत्र के पास कौशांबी के साथ-साथ प्रयागराज सहित अन्य शहरों में भी तमाम आलीशान मकान जमीन थे धन की देवी मा लक्ष्मी उनके परिवार पर 4 दशक से मेहरबान थी उनके आगे पीछे नौकर चाकर की फौज लगी होती थी आधुनिक असलहे लेकर गनर उनके आगे पीछे घूमते थे लेकिन समय बदला और इस शिक्षा माफिया और उनके पुत्रों की हैसियत बदल गई शिक्षा माफिया के परिवार की स्थिति इतनी खराब हो गई कि लोगों से बकाया लेने के बाद देने की स्थिति में नहीं होते हैं अपनी बकाया रकम मांगने के लिए लोग उनके आगे पीछे घूमते हैं इसी तरह का एक मामला पुलिस की चौखट पर पहुंचा है जहां एक मजदूर सतीश कुमार अपनी रकम दिलाने के लिए पुलिस से फरियाद कर रहा है मकान निर्माण करने में मजदूरों से काम कराया है उन मजदूरों की मजदूरी कई साल बीत जाने के बाद यह शिक्षा माफिया नहीं दे पा रहे हैं जिससे उनके मुसीबत के दिन का अंदाजा लगाया जा सकता है आर्थिक संकट से इस समय शिक्षा माफिया और उनका परिवार जूझ रहा है जबकि धन के बल पर यह शिक्षा माफिया नेताओं की कुर्सी तक विराजमान हो चुका है पुलिस थाने में दिए शिकायती प्राथर्ना पत्र में सतीश कुमार पुत्र रामखेलावन निवासी टांडा ने पुलिस से फरियाद करते हुए नेताओं की कुर्सी में विराजमान इस शिक्षा माफिया से अपने मजदूरी का बकाया लगभग डेढ़ लाख रुपए दिलाए जाने की फरियाद की है मजदूर का कहना है कि 3 साल पहले उसने इस शिक्षा माफिया के यहां काम किया था और लगभग 244000 मजदूरी में 105000 मिला है 1 लाख 39 हजार रुपए लगभग बाकी है बताते चलें कि नेताओं की कुर्सी में विराजमान इस शिक्षा माफिया ने मजदूर को चेक तो दे दिया है लेकिन बैंक खाते में पैसा नहीं है बैंक ने भी मजदूर को भुगतान करने से इनकार कर दिया जिससे मजदूर को बैंक से भी मेहनत की रकम नहीं मिल रही है और बार-बार मजदूर से यह शिक्षा माफिया कुछ दिनों में रकम दे देने की मिन्नत कर रहे हैं कि वह बैंक में चेक ना लगाए कुछ समय दे दे जिससे रुपए का इंतजाम करके उसको रुपए दे दिया जाएगा जिससे उनकी मुसीबत का अंदाजा लगाया जा सकता है लेकिन मजदूर के सामने भी समस्या है और उसे मजदूरी न मिलने से वह परेशान है।

सम्पादकीय

वेनेजुएला : ट्रंप का असली चेहरा सामने आया

शांति का नोबेल पुरस्कार हासिल करने की तमन्ना लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व' चलाकर वेनेजुएला पर शनिवार स्थानीय समय के अनुसार 02:01 बजे हमला करके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस समेत गिरफ्तार कर लिया और उन्हें हवाई मार्ग से अमेरिका ले आया गया। अमेरिकी विमान से मादुरो को जब उतारा जा रहा था तो उनकी आंखों पर पट्टी बंधी थी और हथकड़ियां भी लगी थीं। यह दृश्य देखकर इतिहास खुद को दोहराता है, वाली मिसाल याद आ गई। लेकिन यह नहीं पता था कि इतिहास इतनी जल्दी दोहराया जाएगा। अभी 21वीं सदी शुरू ही हुई थी कि इराक पर अमेरिका ने विनाशकारी हथियारों की तलाश के नाम पर आक्रमण किया और तत्कालीन शासक सद्दाम हुसैन को गिरफ्तार कर फांसी पर भी चढ़ा दिया। फिर पता चला कि ऐसे कोई हथियार इराक में थे ही नहीं। शायद अमेरिका को हथियारों की तलाश थी भी नहीं, उसे इराक के प्राकृतिक संसाधनों का कब्जा चाहिए था, जो उसे मिल गया। यही खेल अब वेनेजुएला में खेला गया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने निकोलस मादुरो पर गलत तरीके से सत्ता हथियाने का आरोप लगाने के साथ ड्रग्स तस्करी के गंभीर आरोप भी लगाए हैं और उनका कहना है कि अब मादुरो को पत्नी समेत अमेरिका की कड़ी न्याय व्यवस्था का सामना करना पड़ेगा। मानो सारी दुनिया का ठेका अमेरिका को मिल चुका है कि उसका राष्ट्रपति जब चाहे किसी संप्रभु देश पर आक्रमण कर दे और वहां के नेता को अमेरिकी कटघरे में खड़ा कर दे। और अंतरराष्ट्रीय कानूनों, स्त्री अधिकार को ठेंगा दिखाते हुए राष्ट्र प्रमुख के साथ उनकी पत्नी को भी गिरफ्तार कर ले। चिंता की बात यह है कि दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जिन उद्देश्यों के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्था को बनाया गया था, वह पूरी तरह नख-दंत विहीन और लाचार बन चुकी है। घर के अशक्त बूढ़े बुर्जुग उपद्रवी बच्चों को मत लड़ो-मत लड़ो जैसी लाचारगी भरी नसीहत देते हैं, वैसा ही हाल संरा का हो चुका है। पूरी दुनिया में अमेरिका समर्थित हमले हो रहे हैं और संरा बयान जारी करने से आगे बढ़ ही नहीं पा रहा है। इससे बेहतर है कि संरा को मिटा कर नए सिरे से कोई ऐसी वैश्विक संस्था बनाई जाए, जो वाकई दुनिया में शांति स्थापना का काम कर सके। लेकिन इसकी पहल कौन करेगा ये भी विचारणीय है।

एक वक्त था जब भारत में प.जवाहरलाल नेहरू जैसे नेता थे, जिन्होंने गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत दिया तो तीसरी दुनिया के देशों को अपने अस्तित्व और सम्मान को बचाए रखने के लिए नया मंच मिला। आज के भारत का हाल तो ऐसा है कि ट्रंप पचासों बार पाकिस्तान के समकक्ष हमें रखते हुए युद्धविराम के दावे कर चुके हैं और प्रधानमंत्री मोदी माई डियर फ्रेंड ट्रंप का नाम ही जपते रहे। अब भी वेनेजुएला के घटनाक्रम पर नरेन्द्र मोदी की कोई सीधी टिप्पणी देखने नहीं मिली है, बल्कि एस जयशंकर का बयान आया है कि हम सभी संबंधित पक्षों से अपील करते हैं कि मुद्दों का समाधान बातचीत के जरिए और शांतिपूर्ण तरी$के से किया जाए, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे।

ईश्वर, गैया हाइपोथिसिस और अरावली की लूट

जगदीश रत्तनानी

दुनिया भर में संकट की जड़ में प्रकृति के बारे में यह नासमझी है लेकिन विशेष रूप से भारत में जहां कांक्रीट या प्लास्टिक, बढ़ते वायु और जल प्रदूषण, जैव विविधता का नुकसान तथा संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र में एक पौराणिक राष्ट्रीय महानता की ओर बढ़ने की अंधी दौड़ में दिखाई देने वाले हॉट स्पॉट हैं। व्यापारिक समूहों द्वारा देश में प्रगति और विकास के लेबल के नाम पर अरावली पर्वत श्रृंखला पर कब्जा करने का प्रयास लंबे समय से चल रहे इस खेल का नवीनतम अध्याय है जिसने नासमझ निष्कर्षण की तलाश में प्रकृति को त्याग दिया है।

जाने-माने कवि- गीतकार जावेद अख्तर और इस्लामी अध्ययन के स्नातक मुफ्ती शमैल नदवी के बीच हमेशा जीवंत विषय : 'क्या ईश्वर का अस्तित्व है? पर बहस ने बहुत दिलचस्पी जाग्रत की और टिप्पणियां की हैं। जावेद नास्तिक हैं एवं उन लोगों के प्रिय हैं जो विचार, तर्क और धर्मनिरपेक्षता के साथ खड़े हैं और आज भारत में इन्हीं मूल्यों पर हमले हो रहे हैं। वे एक अल्प ज्ञात रिचर्ड डॉकिन्स पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय हैं जो प्रतिवर्ष एक 'प्रतिष्ठित व्यक्ति को दिया जाता है, जो सार्वजनिक रूप से धर्मनिरपेक्षता और तर्कवाद के मूल्यों की घोषणा करते हैं, वैज्ञानिक सत्य को बनाए रखते हैं, जहां भी यह ले जा सकता है'। लेकिन हम पूछ सकते हैंः आधुनिकता और मूल्य-मुक्त विज्ञान हमें वास्तव में कहां ले जा रहा है? दुख इसी काउंटर सवाल में निहित है जिसे अख्तर-नदवी टेलीविजन शैली की बहस में कोई जगह नहीं मिली। टेक्नोसाइंस नामक एक कॉम्पैक्ट में जोड़े गये विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मार्च ने एक ओर उल्लेखनीय प्रगति की है। लेकिन दूसरी ओर शोषण को इतने आश्चर्यजनक पैमाने पर ले गया है कि इसने सामने आने वाले जलवायु संकट को जन्म दिया है, मानवता को एक पारिस्थितिक आपदा के कगार पर ला दिया है और हमें एंथ्रोपोसीन युग (इसे अक्सर औद्योगिक क्रांति या 20वीं सदी के मध्य से शुरू हुआ माना जाता है जिसमें मानव गतिविधियों ने पृथ्वी के पर्यावरण और जलवायु पर गहरा व निर्णायक प्रभाव डाला है। इसमें जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, और जैव विविधता का ह्रास शामिल है) में पहुंचा दिया है।

कुछ लोगों के लिए प्रगति तत्काल और भौतिक स्तर पर होती है लेकिन दीर्घकाल में धरती के लिए नुकसानदायक होती है। यह अनिवार्य रूप से पश्चिमी शैली की लूट तथा 'मदर नेचर' पर कब्जा है जिसका पता अक्सर 17वीं शताब्दी और तर्क के युग (एज ऑफ रीजन) की शुरूआत और 18वीं शताब्दी के बाद के ज्ञानोदय आंदोलन में लगाया जाता है। इस विजय जुलूस ने वैज्ञानिक पद्धति और न्यूनीकरणवादी दृष्टिकोण को गहराई से आधुनिक विज्ञान के चमत्कारों को नई खोजों और आविष्कारों में लाया जो आज भी जारी है। लेकिन यह विज्ञान भी एक प्रकार का धर्म बन गया जिसने निष्पक्षता, अधिकतम संग्रह एवं तथाकथित दक्षता की वेदी पर प्रार्थना की और कहीं न कहीं इस प्रक्रिया में धरती पर शांति से रहने वाली मानवता की परियोजना को अमानवीय बना दिया।

जब फ्रांसिस बेकन (1561-1626) ने कहा कि मानव जाति को 'ब्रह्मांड पर मानव जाति की शक्ति और प्रभुत्व को स्थापित करने और विस्तारित करने का प्रयास करना चाहिए' और रेने डेसकार्टेस (1596-1650) ने 'पृथ्वी तथा पूरे दृश्य ब्रह्मांड को एक मशीन के रूप में वर्णित किया' तो उन्होंने प्रकृति को एक निर्जीव चट्टान के रूप में चित्रित किया और लूट का मार्ग प्रशस्त किया, उसे एक जीवित ग्रह के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में नहीं माना जैसा कि उसे अब पहचाना जाता है। ब्रह्मांड की विशालता में पृथ्वी 'हल्के नीले बिंदु' के रूप में एक झिलमिलाहट के रूप में हमारे ग्रह की छवि, विनम्रता लाती है और विस्मय को प्रोत्साहित करती है लेकिन वह परिप्रेक्ष्य खो जाता है जब विज्ञान भावशून्य हो जाता है एवं उपकरणों और समीकरणों द्वारा खुदाई होती है जो प्रकृति को उसके अंदरूनी हिस्सों का अध्ययन करने के लिए पांसे फेंकते और टुकड़े करते हैं लेकिन इसका प्रणालीगत

जुड़ाव व पूर्णता के आश्चर्य को खो देते हैं। दुनिया भर में संकट की जड़ में प्रकृति के बारे में यह नासमझी है लेकिन विशेष रूप से भारत में जहां कांक्रीट या प्लास्टिक, बढ़ते वायु और जल प्रदूषण, जैव विविधता का नुकसान तथा संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र में एक पौराणिक राष्ट्रीय महानता की ओर बढ़ने की अंधी दौड़ में दिखाई देने वाले हॉट स्पॉट हैं। व्यापारिक समूहों द्वारा देश में प्रगति और विकास के लेबल के नाम पर अरावली पर्वत श्रृंखला पर कब्जा करने का प्रयास लंबे समय से चल रहे इस खेल का नवीनतम अध्याय है जिसने नासमझ निष्कर्षण की तलाश में प्रकृति को त्याग दिया है। ये नीतियां अभी भी उन दृष्टिकोणों पर बनायी जा रही हैं जिन्हें स्थिरता के किसी रूप की ओर बढ़ रही यूरोप की उन्नत अर्थव्यवस्थाओं ने लंबे समय से छोड़ दिया है।

अरावली रेंज सबसे पुराने फोल्डेड माउंटेन का निर्माण करती है (तथाकथित क्योंकि वे पृथ्वी की टेक्टॉनिक प्लेटों से टकराने पर 'फोल्ड' हो जाती हैं)। पर्वतों के प्रति धार्मिक भावना खत्म होने के कारण अरावली को 800 किमी की एक निर्जीव चट्टान के रूप में देखा जा रहा है जिसका उपयोग अब खपत हेतु संसाधनों और भौतिक संपत्तियों के लिए किया जाता है। फिर भी जब उसे धार्मिक दर्जा दिया तो अरावली पर्वत श्रृंखला वह देवता बन जाती है जो मार्गदर्शन और रक्षा करती है। सरकार के आधिकारिक दस्तावेज में कहा गया है- यह 'मानसून के बादलों को शिमला और नैनीताल की ओर पूर्व की ओर धीरे से निर्देशित करता है, इस प्रकार उप-हिमालयी नदियों को पोषित करने और उत्तर भारतीय मैदानों के पोषण में मदद करता है' जबकि 'सर्दियों के महीनों में, यह उपजाऊ कछारी नदी घाटियों (पैरा सिंधु और गंगा) को मध्य एशिया से आने वाली ठंडी पश्चिमी हवाओं के हमले से बचाता है'।

भारत आज पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक (ईपीआई) में देशों की रैंक में अंतिम चार में है जो जलवायु परिवर्तन शमन, वायु प्रदूषण, अपशिष्ट प्रबंधन, मत्स्य पालन और कृषि की स्थिरता, वनों की कटाई तथा जैव विविधता संरक्षण जैसे संकेतकों की एक श्रृंखला को जोड़ता है। 2024 की सूची में भारत को 180 में से 176वें स्थान पर दिखाया गया है जो पाकिस्तान (रैंक 179) से आगे है लेकिन बांग्लादेश (175), चीन (156) और श्रीलंका (134) से पीछे है। भारत सरकार ने रैंकिंग के पुराने संस्करणों को अवैज्ञानिक बताते हुए खारिज कर दिया है। ईपीआई का निर्धारण येल और कोलंबिया विश्वविद्यालयों के तहत काम करने वाले केंद्रों द्वारा किया जाता है।

यह विडंबना है कि सरकार और एक प्रणाली जो भारतीय लोकाचार व प्राचीन भारतीय जीवन शैली को पुनः प्राप्त करना चाहती है, आज उन मॉडलों के साथ काम कर रही है जो ठीक इसके विपरीत हैं। उदाहरण के लिए ईशा उपनिषद का पहला श्लोक हमें बताता है कि संपूर्ण ब्रह्मांड, चेतन और निर्जीव, ईश्वर या ईशा (ईशावास्यमिदम सर्वम्) से व्याप्त है। इस एक श्लोक से गांधी ने पूरे हिंदू दर्शन के सार को पकड़ लिया है लेकिन जैसा कि उपनिषद की समझ में देखा जाता है, प्रकृति को भगवान के रूप में पूजने के बजाय इस सरकार ने विकास के मॉडल को भूमि, पहाड़ों और समुद्रों को लूटने वाले रूप में अपनाया है। इस हिंसा के साथ क्रोनी कैपिटलिज्म की हिंसा है, बढ़ती असमानता में अंतर्निहित हिंसा और सैन्यवाद की वृद्धि को प्रदर्शित करने की हिंसा शामिल है जो संख्या की गिनती करती है लेकिन लोगों को भूल जाती है। इनमें से कोई भी यह सुझाव नहीं दे रहा है कि भारत को विज्ञान या प्रगति को अस्वीकार करना चाहिए बल्कि पारिस्थितिक बुद्धिमत्ता (इकोलॉजिकल इंटेलिजेंस- यह उपभोक्ताओं के रोजमर्रा के विकल्पों के गहन पर्यावरणीय, सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी परिणामों की पड़ताल करती है।) की मांग करना है जो यह देखती है कि विज्ञान के उपकरण हमेशा प्रगति नहीं ला सकते हैं खासकर जब हम व्यक्तिपरक अनुभव की अवहेलना करते हैं या भूल जाते हैं कि अर्थशास्त्री ईएफ शूमाकर ने कहा है कि 'छोटा भी सुंदर हो सकता है' (स्माल कैन आलसो बी ब्यूटीफुल)। इसे अक्सर पारिस्थितिकी विशेषज्ञों द्वारा 'गैया परिकल्पना' के रूप में समझाया जाता है जो हमें बताता है कि कैसे हमारी धरती एक नाजुक संतुलित स्व-विनियमन प्रणाली है, जीवित और जागरूक, पृथ्वी जिसे हम घर कहते हैं, जो देता है । और रक्षा करता है और संरक्षित होने का हकदार है। यह सरल लेकिन गहन सत्य है और यदि सत्य ही ईश्वर है तो यही वह ईश्वर है जिसकी हमें अपने कठिन समय में आवश्यकता है।

वेनेजुएला संकट: अमेरिकी निरंकुशता और वैश्विक कानूनों का हनन

-ललित गर्ग-

वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था वास्तव में नियम-कानूनों से संचालित होती है या फिर ताकतवर राष्ट्रों की इच्छा ही वैश्विक न्याय का नया मानदंड बन चुकी है। निश्चित तौर पर वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला महाशक्तियों की निरंकुशता को दर्शा ही रहा है, यह वैश्विक कानूनों का अतिक्रमण भी है, जो अमेरिकी दादागिरी का त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण संकेत है, वह केवल लैटिन अमेरिका तक सीमित घटना नहीं है, बल्कि समूची दुनिया के लिये एक खतरनाक मिसाल है। अमेरिका ने जिस तरह से वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई करके वहां के राष्ट्रपति को गिरफ्तार किया है, उससे जुड़े कूटनीतिक, राजनीतिक और अन्तराष्ट्रीय कानून संबंधी सवाल जो खडे. हुए ही हैं, पर अमेरिका को हस्तक्षेप का अवसर देने के लिये मादुरो की नीतियां भी चर्चा में आई हैं। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की वजहें हो सकती है, लेकिन ट्रंप को यह तो सुनिश्चित करना ही होगा कि यह राष्ट्र अस्थिरता का अड्डा न बन जाये।

अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं को वैश्विक शांति का मसीहा घोषित करते नहीं थकते, लेकिन उनकी नीतियां और कार्रवाइयाँ बार-बार युद्ध, हस्तक्षेप और सत्ता परिवर्तन की मानसिकता को उजागर करती हैं। यह वही अमेरिका है जो एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और संप्रभुता की दुहाई देता है, तो दूसरी ओर एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है।

उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेजुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। इस तरह की दोहरी नीतियां केवल विडंबनापूर्ण नहीं, बल्कि वैश्विक शांति के लिये घातक है। वेनेजुएला संकट को केवल मादुरो बनाम अमेरिका के टकराव के रूप में देखना वास्तविकता को सरलीकृत करना होगा। इसमें संदेह नहीं कि मादुरो सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन, दमनकारी नीतियों, चुनावी अनियमितताओं और मानवाधिकार हनन जैसे गंभीर आरोप रहे हैं। लाखों वेनेजुएलावासी देश छोड़ने को मजबूर हुए, अर्थव्यवस्था चरमरा गई और जनता त्रस्त हुई। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि किसी देश की आंतरिक विफलताओं को आधार बनाकर बाहरी सैन्य हस्तक्षेप को वैध ठहराना अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की आत्मा के विरुद्ध है। यदि यही मापदंड हो, तो दुनिया के अनेक देशों में बाहरी हस्तक्षेप का अंतहीन सिलसिला शुरू हो सकता है।

दरअसल, वैश्विक कूटनीति के जानकारों का मानना है कि वेनेजुएला के मामले में अमेरिका की असली चिंता न लोकतंत्र है और न ही मानवाधिकार, बल्कि वहां के विशाल तेल भंडार हैं। वेनेजुएला विश्व के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर बैठा देश है और ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की अमेरिकी भूख कोई नई बात नहीं है। इराक, लीबिया और अफगानिस्तान इसके उदाहरण हैं, जहां ह्यलोकतंत्र स्थापनाह्ल के नाम पर हस्तक्षेप हुआ, लेकिन परिणामस्वरूप अस्थिरता, गृहयुद्ध और मानवीय संकट ही पैदा हुआ। ट्रंप का यह बयान कि मादुरो को पकड़ने के अभियान का खर्च वेनेजुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, इस पूरे घटनाक्रम की मंशा को बेनकाब करता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि यह कार्रवाई न्याय या नैतिकता से नहीं, बल्कि संसाधनों पर नियंत्रण की साम्राज्यवादी सोच से प्रेरित है। किसी देश के प्राकृतिक संसाधनों पर इस तरह दावा करना उपनिवेशवादी मानसिकता का आधुनिक संस्करण है।

इस अमेरिकी कार्रवाई के भू-राजनीतिक परिणाम भी गहरे और दूरगामी होंगे। रूस और चीन ने इसे नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये गंभीर खतरा बताया है। मादुरो के आलोचक रहे कुछ अमेरिकी सहयोगी देश भी अब खुलकर चिंता जता रहे हैं। यह संकट वैश्विक ध्रूवीकरण को और तेज कर सकता है। विशेष रूप से चीन को इस घटनाक्रम से अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं, विशेषकर ताइवान पर अमेरिकी आलोचना को कमजोर करने का अवसर मिल सकता है।

यदि अमेरिका स्वयं संप्रभुता का उल्लंघन करता है, तो वह दूसरों को किस नैतिक आधार पर संयम की सलाह देगा? वेनेजुएला संकट का एक और चिंताजनक पहलू वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला प्रभाव है। तेल उत्पादन और आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता का सीधा असर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों पर पड़ता है।

तेल कीमतों में उछाल पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर सकता है, विशेषकर विकासशील देशों को। भारत जैसे देशों के लिये यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है, जहां ऊर्जा आयात पर निर्भरता अधिक है। यही कारण है कि भारत ने इस घटनाक्रम पर संतुलित रुख अपनाते हुए चिंता व्यक्त की है और दोनों पक्षों से संवाद व कूटनीतिक समाधान की वकालत की है।

भारत का यह दृष्टिकोण न केवल व्यावहारिक है, बल्कि नैतिक रूप से भी अधिक जिम्मेदार है। युद्ध और हस्तक्षेप किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते। इतिहास गवाह है कि इराक और अफगानिस्तान में सैन्य हस्तक्षेप के बाद अमेरिका को अंततः अपमानजनक विदाई का सामना करना पड़ा, लेकिन वे देश आज भी स्थिरता और शांति से कोसों दूर हैं। युद्ध शुरू करना भले आसान हो, लेकिन शांति और सुशासन स्थापित करना अत्यंत कठिन होता है-यह सत्य अमेरिका बार-बार भूलता रहा है। ट्रंप प्रशासन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह स्वयं को शांति का अग्रदूत बताता है, लेकिन उसकी हर बड़ी विदेश नीति पहल टकराव और दबाव की राजनीति पर आधारित दिखती है। यह दोहरी मानसिकता न केवल अमेरिका की विश्वसनीयता को कमजोर करती है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की प्रासंगिकता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि शक्तिशाली राष्ट्र अपने हितों के अनुसार नियम तोड़ने लगें, तो वैश्विक व्यवस्था अराजकता की ओर बढ़ेगी।

वेनेजुएला का संकट पूरी दुनिया के लिये एक चेतावनी है। यह बताता है कि आज भी शक्ति-राजनीति मानवता, शांति और कानून से ऊपर रखी जा रही है। जरूरत इस बात की है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय एकजुट होकर इस तरह के एकतरफा हस्तक्षेपों का विरोध करे और संवाद, कूटनीति तथा बहुपक्षीय समाधान को प्राथमिकता दे। किसी भी देश में सत्ता परिवर्तन का निर्णय वहां की जनता को करना चाहिए, न कि विदेशी सेनाओं को। अंततः, अमेरिका को यह समझना होगा कि किसी ह्यनिरंकुश शासकह्ल को हटाना शायद सैन्य शक्ति से संभव हो जाए, लेकिन किसी देश को स्थायी शांति, स्थिरता और समृद्धि देना केवल टैंकों और बमों से नहीं हो सकता।

इसके लिये धैर्य, संवेदनशीलता और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति सम्मान आवश्यक है। यदि अमेरिका वास्तव में वैश्विक शांति का पक्षधर है, तो उसे अपनी दोहरी नीति त्यागनी होगी। अन्यथा, वेनेजुएला जैसी घटनाएँ बार-बार दोहराई जाएंगी और दुनिया एक और अस्थिर, असुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ती जाएगी।

बरगढ़ की अनूठी धनु यात्रा

बाबा मायाराम

ओडिशा में ऐसे कई गांव हैं, जहां हथकरघे से संबलपुरी साडियां बनाई जा रही हैं। कुछ समय पहले तक एक ऐसा दौर भी था, तब इन साड़ियों की मांग कम थी, लेकिन अब इनकी बाजार में मांग बढ़ गई है। न केवल ओडिशा में इसकी मांग है, बल्कि देश भर में और दुनिया के बाजार में इन्हें पसंद किया जा रहा है। इससे बुनकरों की आजीविका तो सुनिश्चित हुई है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सुधार आया है। शिक्षा, स्वास्थ्य व रहन-सहन का स्तर भी अच्छा हुआ है।

ओडिशा के बरगढ़ शहर में इन दिनों धनु यात्रा चल रही है। यह 11 दिनों तक चलती है। यह भगवान कृष्ण और कंस की कहानी पर आधारित है। इस दौरान पूरा बरगढ़ शहर मथुरा बन जाता है और दर्शक स्वयं इसका हिस्सा बन जाते हैं। यह बुराई पर अच्छाई की प्रतीक मानी जाती है। इस यात्रा में ओडिशा की कला संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। आज इस कालम में इस यात्रा के बहाने यहां की हैंडलूम की स्थिति पर चर्चा करना चाहूंगा, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है।

इस समय धनु यात्रा में भी हैंडलूम के कपड़ों को काफी पसंद किया जा रहा है। यह धनु यात्रा काफी विश्व प्रसिद्ध है। यहां के सामाजिक कार्यकर्ता व किसान नेता लिंगराज भाई ने बताया कि आजादी के बाद यह शुरू हुई थी। राजा कंस के राज की अंग्रेजों के राज से तुलना की गई थी, कंस का राज चलता है, और बाद में कृ ष्ण उसे मार देते हैं। उसके बाद से यह परंपरा चल रही है। मुझे इसी संदर्भ में महाराष्ट्र में गणेशोत्सव की याद भी आई, जिसे आजादी के दौरान ही शुरू किया गया था।

धनु यात्रा में स्थानीय कलाकारों को उनकी कला का प्रदर्शन करने का मौका मिलता है। पूरे शहर को सजाया गया है। दीवारों पर ग्रामीण संस्कृति को दशार्ने के लिए चित्र बनाए गए हैं। राजा कंस का दरबार और कृष्ण लीला आकर्षण का केन्द्र बनते हैं। धनु यात्रा कलाकारों व दर्शकों की दूरी मिटा देती है। पूरा शहर ओपन थियेटर में तब्दील हो जाता है।

इस यात्रा में शामिल होने के लिए गांवों से बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। जनधारा बह रही है। महिलाएं बड़ी संख्या में आ रही हैं। मौसम ठंडा है, पर लोगों की भीड़ पर इसका असर नहीं दिख रहा है। इस यात्रा के दौरान गांवों से स्वयं सहायता समूहों ने उनके बनाए सामानों की स्टाल लगाई है।

इसे कवर करने के लिए बड़ी संख्या में यू ट्यूवर, पत्रकार, संवाददाता शहर में हैं। इस संबंध में मेरी उनसे बात हुई। वे बताते हैं कि लोग इस यात्रा में कृष्ण लीला व कंस के दरबार की रिपोर्टिंग को काफी पसंद कर रहे हैं। ये पत्रकार देर रात तक इसे कवर कर रहे हैं। सीधा प्रसारण कर रहे हैं। कुछ यू ट्यूब चैनलों ने छात्र-छात्राओं को भी एंकरिंग करने के लिए मौका दिया है,जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। गर्म कपड़ों की दुकानों के साथ हैंडलूम की दूकानें भी हैं। अचार, पापड़, झोले, बच्चों के खिलौने, खाने-पीने की चीजों की दुकानें हैं। मैं यहां ओडिशा के हैंडलूम की विशेष चर्चा करूंगा, क्योंकि ऐसे मेलों में स्थानीय हस्तकला को बढ़ावा मिलता है।

मैंने एक दिन यहां लगी दुकानों का चक्कर लगाया है। यहां मुझे दूरदराज के गांवों से आई स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की सामग्री ने आकर्षित किया। अचार, पापड़, लड्डू, साबुन, झोले, झाड़ू इत्यादि।

ओडिशा में ऐसे कई गांव हैं, जहां हथकरघे से संबलपुरी साडियां बनाई जा रही हैं। कुछ समय पहले तक एक ऐसा दौर भी था, तब इन साड़ियों की मांग कम थी, लेकिन अब इनकी बाजार में मांग बढ़ गई है।

न केवल ओडिशा में इसकी मांग है, बल्कि देश भर में और दुनिया के बाजार में इन्हें पसंद किया जा रहा है। इससे बुनकरों की आजीविका तो सुनिश्चित हुई है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सुधार आया है। शिक्षा, स्वास्थ्य व रहन-सहन का स्तर भी अच्छा हुआ है।

हमारे गांवों में कृषि के साथ कई तरह के छोटे-छोटे रोजगार हुआ करते थे। लकड़ी और लोहे के खेती के औजार बनाना, लकड़ी के घर बनाना, खपरैल व मिट्टी के घर बनाना, मिट्टी व बांस के बर्तन बनाना, तेल व गुड़ बनाने का काम इत्यादि। इन सभी कामों को करने वाले कारीगर काफी हुनरमंद थे और कुछ अब भी हैं। इसमें बहुत से लोगों की आजीविका जुड़ी रहती थी।

कुछ समय पहले तक देश में हथकरघे का काम खेती-किसानी के बाद सबसे बड़ा रोजगार हुआ करता था पर कई कारणों से इसमें कमी आई है। लेकिन इसके बावजूद भी यह ऐसा महत्वपूर्ण हुनर व कौशल है, जिसकी बाजार में काफी मांग है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण संबलपुरी साड़ियां हैं, जिनकी बाजार में काफी मांग है। जो लोग हाथ के काम, सफाई, डिजाइन व श्रम का महत्व समझते हैं, वे हथकरघे से बने कपड़े ही पसंद करते हैं।

ओडिशा में संबलपुरी साड़ियां हथकरघे पर बनाई जाती हैं। सबसे पहले धागों को रंगना, फिर उन्हें करघे पर बुना जाता है। यह साड़ियां बंध तकनीक से बनाई जाती हैं। कारीगर धागों को विशेष पैटर्न में बांधते हैं। यह बांधा, रंग के उस हिस्से में बांध दिया जाता है, जिस पर रंग नहीं लगाना है। उसे बाद में दूसरे रंग से रंगा जाता है। यह एक जटिल प्रक्रिया है, और यह विशेष सावधानी व हुनर की जरूरत होती है। इस तरह रंगीन साड़ियां बनाई जाती हैं। रेशम व सूती दोनों तरह की साड़ियां बनाई जाती हैं।

यहां से सामाजिक कार्यकर्ता सुरेन्द्र मिहिर संबलपुरी साड़ियों के बाजार के विस्तार में महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों की विशेष भूमिका है। सरकार ने इन स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से दूसरे राज्यों में प्रदर्शनी लगवाई। वहां भी संबलपुरी साड़ियों की स्टॉल लगाई, प्रचार-प्रसार किया। जिससे इनकी मांग बढ़ी है।

फसल बीमा योजना का किसानों के बीच करें व्यापक प्रचार-प्रसार : मनोहर

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कानून-व्यवस्था एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक बुधवार को जनपद के प्रभारी मनोहर लाल (मन्नू कोरी) की अध्यक्षता में कलेक्टरेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें मंत्री ने जनपद में चल रहे विकास कार्यों सहित कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रभारी मंत्री ने विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि विद्युत आपूर्ति शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की जनशिकायत प्राप्त न हो। फसल बीमा योजना के संबंध में अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण कराने तथा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए। विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण (जी.आर.ए.एम.जी) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। बताया कि इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को पूर्व निर्धारित 100 दिवस के स्थान पर अब 125 दिवस के मजदूरी रोजगार की कानूनी गारंटी प्रदान की गई गई है, जिसमें जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत संरचना तथा आजीविका संवर्द्धन प्राथमिकता क्षेत्र सम्मिलित हैं। मजदूरी भुगतान में विलंब की स्थिति में ब्याज सहित भुगतान तथा महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के प्रावधान लागू किए जा रहे हैं। दिव्यांगजन कल्याण योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि कोई भी पात्र दिव्यांगजन पेंशन, उपकरण एवं अन्य सुविधाओं से वंचित न रहे। दिव्यांगजन पेंशन योजना के लिए शिविर लगाकर पंजीकरण कर लाभान्वित करने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन के सम्बन्ध में कहा कि चिन्हित ग्राम पंचायतों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। अधिशासी अभियंता जल निगम ने बताया कि लगभग 70 प्रतिशत चिन्हित ग्राम पंचायतों में जल आपूर्ति की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। मंत्री ने सड़कों पर पाइपलाइन बिछाने के कारण क्षतिग्रस्त मार्गों के पुनर्निर्माण तथा मरम्मत कार्य प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए। बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत कायाकल्प योजना की समीक्षा करते हुए विद्यालयों की क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवाल के निर्माण व मरम्मत कार्य, बालक एवं बालिका शौचालयों के निर्माण एवं सुधार कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

कानून-व्यवस्था के संबंध में पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि कई मापदंडों पर जनपद ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। इस पर मंत्री ने कहा कि शासन द्वारा संचालित कार्यक्रमों एवं एस.आई.आर. के लक्ष्यों की प्राप्ति में जनपद स्तर पर सभी का सहयोग आवश्यक है। मतदाता सूची में कमी के संबंध में बताया कि मृतक मतदाताओं, बाहर रोजगार के लिए गए व्यक्तियों एवं लम्बे समय से अनुपस्थित व्यक्तियों के कारण संख्या प्रभावित हुई है, जिसे जनसहयोग, प्रभावी सत्यापन एवं बूथ स्तरीय अधिकारियों के माध्यम से सुधार कर जनपद को शीर्ष स्थान पर लाया जा सकता है। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए संसाधनों का सदुपयोग कर गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं पारदर्शी कार्य सुनिश्चित किया जाए, जिससे जनपद के विकास में अपेक्षित योगदान दिया जा सके।

इस मौके पर जिलाधिकारी पुलकित गर्ग, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, विधान परिषद सदस्य विवेक श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अरुण कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे स्वप्निल कुमार यादव सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मकर संक्रांति व भरतकूप मेले को लेकर व्यापक प्रशासनिक तैयारियाँ, मजिस्ट्रेटों की तैनाती

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने बताया कि हिन्दू पंचांग के अनुसार आगामी 14-15 जनवरी को मकर संक्रांति पर्व मनाया जाएगा। इस दौरान धार्मिक व पारंपरिक स्थलों पर मेलों का आयोजन भी होगा। जिसमें रामघाट व भरतकूप मंदिर में विशेष रूप से आयोजित मेले में भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

जिलाधिकारी ने बताया कि मकर संक्रांति पर्व व मेले को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं। जिसके तहत धर्मनगरी के रामघाट, मत्यगयेन्द्रनाथ शिव मंदिर, वशिष्ठ आश्रम से भरत मिलाप मंदिर, लक्ष्मण पहाड़ी, जलेबी वाली गली, शनिदेव शिला, पयश्वनी नदी, बरगढ़, मानिकपुर, राजापुर, मऊ सहित जनपद के प्रमुख स्नान-घाटों, मंदिरों और मेला स्थलों पर जोनल, सेक्टर व रिजर्व मजिस्ट्रेटों की शिफ्टवार ड्यूटि लगाई गई है। बताया कि भरतकूप मंदिर मेला क्षेत्र के लिए 14 से 16 जनवरी तक अलग से मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। मेले के दौरान सभी उप जिलाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में भ्रमणशील रहेंगे और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाएंगे। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा संवेदनशील स्थलों, होल्डिंग एरिया और मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। नगर निकायों व पंचायती राज विभाग को सफाई व्यवस्था, जल संस्थान जल निगम को शुद्ध पेयजल आपूर्ति तथा विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली व प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सिंचाई विभाग द्वारा भी नदियों में डूबने से बचाव के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। मुख्य चिकित्साधिकारी को सभी प्रमुख स्थलों पर चिकित्सकीय दल, एंबुलेंस तथा जिला अस्पताल सहित सीएचसी/पीएचसी 24 घंटे सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग को खाद्य पदार्थों की जांच तथा जबकि स्थानीय अभिसूचना इकाई को सोशल मीडिया व अराजकतत्वों पर सतर्क निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। बताया कि इसके लिए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को प्रभारी बनाया गया है, जो संबंधित क्षेत्रीय प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों से समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही व व्यवस्थाएं सुनिश्चित करायेगें। डीएम ने सभी तैनात अधिकारियों को पर्व से पूर्व स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि मकर संक्रांति पर्व और भरतकूप मेला श्रद्धा, शांति और सुरक्षा के साथ संपन्न हो सके।

मऊ में उप जिलाधिकारी ने अभियान चलाकर हटवाया अतिक्रमण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। नगर पंचायत क्षेत्र मऊ के शिवपुर गांव में बुधवार को उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जेसीबी मशीन की सहायता से रास्ते पर किए गए अतिक्रमण को हटाकर आवागमन को सुचारू बनाया गया।

गांव के कई स्थानों पर अतिक्रमण के कारण रास्ते अत्यधिक संकरे हो गए थे, जिससे ग्रामीणों और वाहनों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। जिसकी जानकारी मिलने पर उप जिलाधिकारी की मौजूदगी में पूरे मार्ग से अतिक्रमण हटवाया गया। उप जिलाधिकारी ने कहा कि क्षेत्र में अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा। शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को निर्बाध आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अतिक्रमणकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान नगर पंचायत की टीम भी मौके पर मौजूद रही। कार्रवाई से पहले अतिक्रमणकारियों को स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए, लेकिन अनुपालन न होने पर जेसीबी से अतिक्रमण हटाया गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत किया है। ग्रामीणों का कहना है कि अतिक्रमण हटवाने से गांव की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हुआ है।

मध्यस्थता अभियान के तहत अधिक से अधिक कराएं सुलह योग्य वादों का निस्तारण : जिला जज

चित्रकूट। सवोच्च न्यायालय नई दिल्ली की मीडिएशन एवं कंसीलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी के अध्यक्ष द्वारा एक से 31 जनवरी तक राष्ट्र के लिये मध्यस्थता अभियान-2.0 चलाने के लिए दिए गए निदेर्शानुसार बुधवार को अभियान के सफलतापूर्वक आयोजन के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष व जनपद न्यायाधीश शेषमणि शुक्ला ने न्यायिक अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में जनपद न्यायाधीश ने सभी न्यायिक अधिकारियों को न्यायालय में लम्बित ऐसे वाद जिनमें दोनों पक्षों के मध्य सुलह की सम्भावना हो, को अधिक से अधिक संख्या में मध्यस्थता केन्द्र में सन्दर्भित किये जाने के लिए निर्देशित किया। इस मौके पर अपर जिला जज प्रथम अनुराग कुरील, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव वर्णिका शुक्ला, विशेष न्यायाधीश एस.सी./एस.टी. एक्ट राममणि पाठक, विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट रेनू मिश्रा, अपर जिला जज त्वरित न्यायालय नीरज श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेन्द्र प्रसाद भारती, सिविल जज

(सी.डि.) सचिन कुमार दीक्षित, सिविल सी.डि./एफ.टी.सी. इला चैधरी, सिविल जज (जू.डि.) सैफाली यादव, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम विदिशाभूषण, न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय मानिकपुर अंशुमान यादव आदि मौजूद रहे।

अलाव जलवाने की मांग

चित्रकूट। मऊ तहसील क्षेत्र के अंतर्गत खण्डेहा गांव के निवासी समाजसेवी रामबहोरी केशरवानी, पत्रकार राजेन्द्र प्रसाद शुक्ला नेता, नच्चू करवरिया, लालमन त्रिपाठी, लालचन्द्र सोनी, बृजेन्द्र केशरवानी आदि ने उच्चाधिकारियों को भेजे पत्र में कहा है कि पिछले एक पखवाड़े से भीषण ठंड पड़ रही है। इसके चलते आम जनमानस परेशान है। ग्राम पंचायत खण्डेहा, देवरा, तेंदुआ माफी, करही, जोरवारा, देवीपुर, चित्रवार, मोहिनी, हटवा व ददरी आदि में प्रधानों द्वारा अलाव जलवाने के समुचित इंतजाम नहीं किए जा रहे है। साथ ही गरीबों को कंबल भी नहीं मिले है। ऐसे में इन ग्राम पंचायतों के साथ लालता रोड़ चैराहे में अलाव जलवाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। साथ ही गरीब बस्तियों में कबल वितरण कराया जाना चाहिए। जिससे लोगों को इस भीषण शीतलहर में परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके अलावा इस समय माघ मेले में हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन प्रयागराज आवागमन करते है। ऐसे में लालता रोड़ में रैन बसेरे का समुचित संचालन करते हुए अलाव की व्यस्था की जाए और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए रात्रि काल में पुलिस के जवानों को भी तैनात किया जाए।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक सम्पन्न

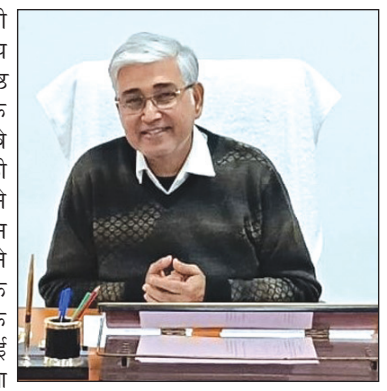

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों की मासिक बैठक कुलगुरु आलोक चैबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें कुलगुरु ने अकादमिक कैलेंडर का पालन करते हुए आवश्यकता होने पर विद्यार्थियों की अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही वाई-फाई की सशक्त और रेगुलर व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा लाइब्रेरी खुलने का समय बढ़ाने के निर्देश दिए।

बैठक में कुलगुरु प्रो आलोक चैबे ने रुसा मद से प्राप्त अनुदान राशि के उपभोग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि संकाय वार आवश्यक पुस्तकों की सूची मंगवा कर प्राथमिकता के आधार पर पुस्तकों के क्रय की प्रक्रिया की जाय। साथ ही प्रथम चरण में केंद्रीय पुस्तकालय का समय बढ़ा कर प्रातः 09:00 बजे से सांय 06:00 बजे तक करने को कहा। बताया कि सीएम हेल्प लाइन में प्राप्त शिकायतों एवं उसके सतत निराकरणों की प्रगति में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय 100 प्रतिशत वेटेज स्कोर के साथ ए ग्रेड पर है। बैठक का संचालन कुलसचिव आरसी त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर कला, विज्ञान, प्रबंधन, कृषि, अभियांत्रिकी संकाय के अधिष्ठाता आदि मौजूद रहे।

महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में बनारस ने झांसी को सात विकेटों से हराया

चित्रकूट। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्म स्मृति में चल रहे अखिल भारतीय क्रिकेट टूर्नामेंट सुभाष चैलेंज कप द्वारा 13वां राज्य स्तरीय महिला क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया गया। मैच झांसी और बनारस के बीच खेला गया। जिसमें बनारस ने झांसी को सात विकेट से हरा दिया।

मैच का शुभारम्भ जनपद के प्रभारी मंत्री मनोहर लाल (मन्नू कोरी), जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार जाटव, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल व प्रायोजक मोशू खान ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर कराया। झांसी ने पहले टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया तथा निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट खो कर 105 रन बनाए। झांसी की तरफ से बल्लेबाजी करने आई मानसी ने 39 गेंदों पर 33 और कृतिका ने 28 गेंदों पर 24 रन बनाए। बनारस की तरफ से गेंदबाजी करने आई अस्मिता ने चार ओवर में 19 रन देकर दो और निक्की ने भी चार ओवर में 19 रन देकर एक विकेट लिए। 106 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बनारस की टीम मात्र 16 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य को पा लिया। बनारस की तरफ से बल्लेबाजी करने उतरी निक्की ने 38 गेंदों पर 26 और संध्या ने 19 गेंदों पर 30 रन बनाए। झांसी की तरफ से गेंदबाजी करते हुए मीनांक्षी ने तीन ओवर में 23 रन देकर एक विकेट लिया। बनारस ने इस मुकाबले को सात विकेट से जीत लिया। मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में निक्की को चुना गया। मैच में अंपायर अनुराग व करण पटेल, स्कोरा सौरभ नाहर व दीपक मिश्रा तथा कॉमेंटेटर लोकेश ठाकुर रहे। इस मौके पर क्लब के एसके कमल, रानू आदेश, हिमांशु,

कल्लू भाई, शंकर मणि वर्मा, गायत्री पांडेय, रचना यादव, शिवसागर तिवारी, भगवानदीन जायसवाल आदि मौजूद रहे। गुरुवार का मैच प्रयागराज और लखनऊ के बीच खेला जाएगा

निराश्रित, गरीबों, असहायों की सेवा ही सबसे बड़ी पूजा है : अग्रहरि

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पहाड़ी कस्बा निवासी युवा समाजसेवी शिवमंगल अग्रहरि ने भीषण ठंड के दृष्टिगत असहाय गरीबों को कंबल वितरित किए। उनके इस कार्य की स्थानीय लोगों ने सराहना की। समाजसेवी शिवमंगल अग्रहरि ने बताया कि इंसानियत से बढ़कर जिंदगी में कुछ भी नहीं है। निराश्रित असहाय गरीबों की सेवा एवं मदद करना ही मानव जीवन का लक्ष्य होना चाहिए क्योंकि गरीबों की सेवा ही भगवान की सेवा होती है। इसी सोच के तहत वह गरीबों को ठंड से बचाने के लिए कंबल वितरित कर रहे है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर पर हमला, खिड़कियां तोड़ी, पुलिस ने एक को पकड़ा

अमेरिका

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस के सिनसिनाटी स्थित घर पर रात में हमला हुआ, जिसमें कई खिड़कियां तोड़ दी गईं। इस घटना के बाद खुफिया सेवा और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। तड़के खुफिया सेवा के एजेंट ईस्ट वालनट हिल्स स्थित आवास पर पहुंचे और एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है, हालांकि अधिकारियों ने अभी तक यह पुष्टि नहीं की है कि उसके खिलाफ कोई आरोप दायर किए गए हैं या नहीं। पुलिस ने स्थानीय समाचार एजेंसी डब्ल्यूसीपीओ को बताया कि संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है, लेकिन उन्होंने इसके बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने बताया कि घटना के समय वैंस परिवार घर पर नहीं था और प्रारंभिक जांच के मुताबिक, अधिकारियों का मानना ??है कि हमलावर उपराष्ट्रपति के घर में नहीं घुसा था।

पिछले सप्ताह, सुरक्षा संबंधी चिंताओं के मद्देनजर, वेंस वेनेजुएला में अमेरिकी अभियान की कार्यवाही देखने के लिए ट्रंप और प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मार-ए-लागो में शामिल नहीं हुए। इसके बजाय, उपराष्ट्रपति ने अभियान समाप्त होने के बाद सिनसिनाटी लौटने से पहले एक सुरक्षित वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अभियान की निगरानी की। उनके कार्यालय ने कहा कि वे "प्रक्रिया और योजना में गहराई से शामिल थे। एक बयान में, वेंस के कार्यालय ने कहा कि बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के कारण, प्रशासन ने उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति के व्हाइट हाउस से दूर एक ही स्थान पर रहने की आवृत्ति और अवधि को सीमित करने का लक्ष्य रखा है।

घटना के बाद पुलिस और खुफिया सेवा कर्मियों को संपत्ति के अंदर देखा गया, हालांकि यह माना जाता है कि हमले के समय न तो वैंस और न ही उनका परिवार घर पर मौजूद था। यह घटना नए साल की छुट्टियों के दौरान इलाके में बढ़ाई गई सुरक्षा के बाद हुई है। शहर के अधिकारियों के अनुसार, वैंस के आवास के आसपास की सड़कें रविवार तक कई दिनों से बंद थीं, चौकियां स्थापित की गई थीं और निवासियों को कानून प्रवर्तन की उपस्थिति के लिए तैयार रहने को कहा गया था।

पाकिस्तान की ऐसी फजीहत नहीं हुई होगी कभी, भरी सभा में चीन ने उतार दी इज्जत

पाकिस्तान

सूटेड बूटेड होकर एक बार नहीं दो बार मुल्ला मुनीर ट्रंप के लंच में पहुंचे। पूरी दुनिया में घूम-घूम कर कहने लगे कि उन्होंने तो व्हाइट हाउस में ट्रंप के साथ खाना खाया। लेकिन मुनीर का यह इतराना ट्रंप के लिए पाकिस्तान का नोबेल पीस प्राइज के लिए नाम प्रस्तावित करना चीन को खल गई। जिनपिंग ने पाकिस्तान की हेकड़ी निकाल दी है। अमेरिका से नजदीकी पर जिनपिंग ने पाकिस्तान को धो डाला है। चीन का पाकिस्तान पर भरोसा कम हो गया है। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार चीन दौरे पर पहुंचे हैं। इशाक डार सातवें पाकिस्तान चीन रणनीतिक संवाद में शामिल हुए। चीन और पाकिस्तान एक दूसरे को बेहद अच्छा दोस्त कहते रहे हैं। लेकिन डार्क की इस यात्रा में माहौल कुछ अलग दिख रहा है। इसकी वजह है चीन का भरोसा पाकिस्तान पर कम हुआ है।

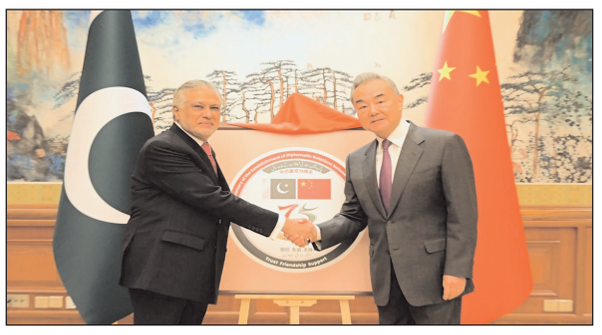

पाकिस्तान के अमेरिका के साथ बड़ी नजदीकी से राष्ट्रपति जिनपिंग नाराज हैं। ऐसे में चीनी सरकार पाकिस्तान से अमेरिका के साथ रिश्तों पर जानकारी मांग रही है। मतलब शाहबाज शरीफ एंड मुल्ला मुनीर दोनों बुरी तरह फंस चुके हैं। एक तरफ है अमेरिका जिसके बूते मुनीर फड़फड़ा रहा है। ट्रम्प पाकिस्तान को मदद का भरोसा दे रहे हैं। दूसरी ओर है चीन जिसके कर्ज के बिना पाकिस्तान का जीना मुश्किल है।

अब जिनपिंग पाकिस्तान से गुस्सा हो गए हैं। मतलब पाकिस्तान के लिए इधर कुआं है और उधर खाई। पाकिस्तान दोनों नावों पर सवारी नहीं कर सकता। चीन की अब तक की समझ थी कि पाकिस्तान उसके रहमोकरम पर पलता है। लेकिन ट्रंप के साथ दावत के बाद मुल्ला मुनीर की इच्छाएं परवान चढ़ने लगी तो चीन ने सीधा जमीन पर लापटका है। चीन चाहता है कि पाकिस्तान की ओर से अमेरिका के साथ अपने सुरक्षा रणनीतिक और आर्थिक संबंधों की जानकारी दी जाए।

धमकाना मत, ग्रीनलैंड नहीं ठेंगा मिलेगा, अब किस देश ने ट्रंप को दी खुली चुनौती

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार कई मंचों पर यह कह रहे हैं कि अब ग्रीनलैंड की बारी है क्योंकि उन्हें ग्रीनलैंड अमेरिका की सुरक्षा के लिए चाहिए। अमेरिका की सुरक्षा के नाम पर वो चीन और रूस का भी नाम लेते हैं और कहते हैं कि कभी भी यह हमारे घर पर दस्तक दे सकते हैं। ऐसे में हमें ग्रीनलैंड की जरूरत है। हम उसे लेकर रहेंगे। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह चेतावनी है जो वह बार-बार ग्रीनलैंड को लेकर दे रहे हैं। तो वहीं दूसरी तरफ डेनमार्क और ग्रीनलैंड दोनों ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी भरे लहजे में कह रहे हैं कि आप हमें धमकी देना बंद कर दें।

डेनिश प्राइम मिनिस्टर मेठे ने सीधे तौर पर अमेरिका से यह कहा है कि अमेरिका का बार-बार यह कहना कि उसे ग्रीनलैंड चाहिए इसका कोई मतलब नहीं है। अमेरिका के पास डेनिश किंगडम से किसी भी देश को काटने का कोई अधिकार नहीं है। इसके अलावा वह यह भी कहती हैं कि जो किंगडम ऑफ डेनमार्क है और जो ग्रीनलैंड उसका पार्ट है वह नेटो का हिस्सा है और नाटो के सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका की भी है। ऐसे में अमेरिका कोई भी मनचाहा कदम नहीं उठा सकता और हम भी इस पैक्ट का हिस्सा हैं और हमने भी आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा के लिए अपनी खूब जिम्मेदारी का निर्वाहन किया है।

वहीं ग्रीनलैंडिंग प्राइम मिनिस्टर की तरफ से

भी यह कहा गया है कि हम अमेरिका के सदियों से बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं। हमने कंधे से कंधे मिलाकर बुरे वक्त का सामना किया है। हमने नॉर्थ अटलांटिक की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी निभाई है। यही सच्चे दोस्त करते हैं। ऐसे में उनका यह कहना है कि बार-बार अमेरिका की तरफ से इस तरह की धमकी देना नाकाबिले बर्दाश्त है और इसे आगे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार यह कहते हैं कि वी नीड ग्रीनलैंड तो यह साफ तौर पर बताता है कि वह हमें वेनेजुएला और अपनी सेना की तरह इंटरवीन करना चाहते हैं जो कि गलत नहीं है बल्कि अपमानजनक भी है।

जाहिर तौर पर अमेरिका के वेनेजुएला में किए गए ऑपरेशन के बाद दुनिया में उथल-पुथल मच गई है।

क्योंकि हर कोई अब इस तरफ नजरें गड़ाए बैठा है कि अमेरिका अगला कदम कंबोडिया की तरफ चलेगा या फिर वह क्यूबा की तरफ कदम बढ़ाएगा या फिर ग्रीनलैंड की तरफ।

जहां हमले की अमेरिका सपने में भी सोच भी नहीं सकता, वो बनेगा खामनेई का महफूज ठिकाना?

ईरान

ईरान द्वारा दुश्मन के सामने न झुकने की घोषणा करने और अपने विरोधियों को "घुटने टेकने" पर मजबूर करने की कसम खाने के कुछ दिनों बाद, देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई कथित तौर पर अशांति बढ़ने या सुरक्षा बलों द्वारा विरोध प्रदर्शनों को नियंत्रित करने में विफल रहने की स्थिति में ईरान छोड़ने की आकस्मिक योजना तैयार कर रहे हैं। द टाइम्स की रिपोर्ट में बताया कि अगर सेना या सुरक्षा सेवाएं उनके

आदेश मानने से इनकार करती हैं, दल बदल लेती हैं या स्थिति पर नियंत्रण खो देती हैं, तो 86 वर्षीय नेता परिवार और करीबी सहयोगियों सहित लगभग 20 लोगों के साथ तेहरान छोड़ देंगे। इस योजना में उनके बेटे मोजतबा भी शामिल हैं, जिन्हें वे अपना उत्तराधिकारी मानते हैं।

बांग्लादेश में नहीं थम रहा 'नरसंहार'

बांग्लादेश

बांग्लादेश में सोमवार को एक और हिंदू व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कट्टरपंथी छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद पड़ोसी देश में हुई अशांति के मद्देनजर यह पांचवीं ऐसी घटना है। मृतक की पहचान राणा प्रताप बैरागी के रूप में हुई है, जिनकी सोमवार दोपहर करीब 12 बजे जेस्सोर जिले के कोपलिया बाजार में कुछ बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब कुछ ही हफ्तों पहले दीपू चंद्र दास समेत कई हिंदुओं की हिंसक मौतों ने पूरे देश और भारत तक में चिंता बढ़ा

दी थी। यह सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि अल्पसंख्यक समुदाय की लगातार बढ़ती असुरक्षा को उजागर करती है

इससे पहले बांग्लादेश में एक हिंदू व्यापारी पर धारदार हथियार से हमला करने और जलाकर मार डालने के मामले में रविवार को तीन लोगों को अरेस्ट किया गया।

फंसे हो तो ऐसे बचेगी जान, पूरे मामले पर विदेश मंत्रालय का क्या आया बयान

वेनेजुएला

वेनेजुएला में हालिया हमलों के बाद हालात तेजी से बदले हैं। अमेरिका की ओर से राष्ट्रपति निकोलस माधरो और उनकी पत्नी की गिरफ्तारी के बीच वहां मौजूद विदेशी नागरिकों की चिंता बढ़ गई है। इसी बीच भारतीय विदेश मंत्रालय का बयान सामने आया है। मंत्रालय ने साफ किया है कि भारत सरकार कराकस स्थित भारतीय दूतावास के लगातार संपर्क में है और वहां मौजूद भारतीयों की सुरक्षा को लेकर हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। ऐसे में अगर आपका कोई वेनेजुएला में फंसा हुआ है तो घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार ने मदद और सुरक्षा को लेकर रास्ता साफ बताया है।

विदेश मंत्रालय ने वेनेजुएला में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को स्पष्ट सलाह दी है कि वह किसी भी हालत में भारतीय दूतावास से संपर्क बनाए रखें। कराकस स्थित भारतीय दूतावास ने आपात स्थिति के लिए अपना ईमेल और फोन नंबर जारी किया है। जरूरत पड़ने पर भारतीय नागरिक स्क्रीन पर नजर आ रहे ईमेल एड्रेस पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा इमरजेंसी के लिए

584129584288 नंबर भी एक्टिव है। जिस पर नॉर्मल कॉल के साथ हँ३२अस्त्रस्त्र कॉल से भी कांटेक्ट किया जा सकता है। दूतावास स्थानीय हालात की जानकारी देता रहेगा और किसी भी मुश्किल सिचुएशन में जरूरी गाइडलाइंस और हेल्प उपलब्ध कराएगा।

परिवार वालों को चाहिए कि वह अपने परिजनों को यह संपर्क जानकारी तुरंत शेयर करें। विदेश मंत्रालय की एडवाइजरी के मुताबिक वेनेसुएला में मौजूद भारतीयों को बेहद सतर्क रहने की जरूरत जताई गई है। गैर जरूरी यात्रा से बचें और बाहर अपनी आवाजाही कम रखें। भीड़भाड़ वाले इलाकों, विरोध प्रदर्शनों और संवेदनशील जगहों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी है। पासपोर्ट, वीजा और जरूरी दस्तावेज हमेशा सुरक्षित रखें और अपनी डिजिटल कॉपी भी अपने पास रखें।

वेनेजुएला पर अमेरिकी अटैक के बीच अब ब्रिटेन ने कश्मीर को लेकर क्या बड़ा दावा कर दिया, चौंका भारत!

ब्रिटिश

ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने जम्मू और कश्मीर पर भारत के रुख के प्रति अपने दीर्घकालिक समर्थन को दोहराते हुए कहा कि पूरे केंद्र शासित प्रदेश को भारत में फिर से शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की उनकी मांग तीन दशक से अधिक पुरानी है और इसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा 2019 में लिए गए निर्णय से कोई संबंध नहीं है। जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में आयोजित एक हाई-टी कार्यक्रम में बोलते हुए, ब्लैकमैन ने कहा कि उनकी स्थिति 1990 के दशक की शुरूआत में, विशेष रूप से कश्मीरी पंडितों के घाटी से पलायन के बाद बनी थी।

बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि मैंने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की मांग तब नहीं की थी जब प्रधानमंत्री मोदी ने इसे अपने घोषणापत्र में शामिल किया और लागू किया। मैंने यह मांग 1992 में ही कर दी थी, जब कश्मीरी पंडितों को जम्मू और कश्मीर से जबरन निकाला गया था। उस समय की अपनी सक्रियता को याद करते हुए, ब्रिटिश सांसद ने कहा कि ब्रिटेन में विस्थापित समुदाय के साथ हो रहे गंभीर अन्याय की ओर ध्यान आकर्षित करने के प्रयास किए गए थे। ब्लैकमैन ने कहा हमने उस समय एक विशाल सभा आयोजित की थी ताकि लोगों से कहा जा सके कि यह गलत है, यह अन्याय है, कि लोगों को केवल उनके धर्म और पृष्ठभूमि के कारण उनके पैतृक घरों से जबरन निकाला जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि वे इस क्षेत्र में आतंकवाद की लगातार निंदा करते रहे हैं और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर पाकिस्तान के नियंत्रण की आलोचना करते रहे हैं।

सत्य साई बाबा के भक्त कैसे बने वेनेजुएला के राष्ट्रपति?

वेनेजुएला

वेनेजुएला के राष्ट्रपति माधुरो को आज दुनिया का विवादी और सख्त शासक के रूप में जानती है। लेकिन सत्ता के शिखर तक पहुंचने से पहले उनका जीवन बेहद साधारण और संघर्षों से भरा रहा है। उनकी कहानी केवल राजनीतिक तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें मेहनतकश जीवन ट्रेड यूनियन आंदोलन और भारत के एक आध्यात्मिक गुरु से जुड़ा अनोखा विश्वास भी शामिल है। माधुरो का जन्म 23 नवंबर 1962 को वेनेजुएला के राजधानी काराकस में एक साधारण परिवार में हुआ था। उनके पिता मजदूर संगठनों से ही जुड़े थे। जिससे सामाजिक असमानता और श्रमिक अधिकारियों के मुद्दों, माधुरों ने बचपन से ही गरीबी देखी है। आर्थिक परिस्थितियों के चलते वह उच्च शिक्षा पूरी नहीं कर पाए और युवा व्यवस्था में ही रोजगार की तलाश में निकल पड़े। इसी दौरान उन्होंने काराकास में बस ड्राइवर के रूप में काम करना शुरू किया। काराकास की भीड़भाड़ वाली सड़कों पर बस चलाते हुए मादुर को आम लोगों की परेशानियों को बेहद करीबी से समझने का मौका मिला।

2023 में शावेज के निधन के बाद माधुरों को उनका राजनीतिक उत्तराधिकारी चुना गया। उसी साल में हुए राष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने बेहद करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की और वेनेजुला के राष्ट्रपति बन गए। हालांकि उनके शासनकाल की पहचान आर्थिक संकट, महंगाई, खाद संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जुड़ गई। राजनीति के अलावा निकोल्स मादुर की एक और पहचान है जिसने खासकर भारत में लोगों का ध्यान खींचा है।

गिरफ्तार किए गए वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को लेकर एक रोचक पहलू सामने आया है। टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक, मादुरो दिवंगत भारतीय आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साई बाबा के भक्त रहे हैं। वे कैथोलिक परिवार में पले-बढ़े थे, लेकिन उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस के प्रभाव में आकर साईं बाबा के अनुयायी बने। साल 2005 में मादुरो और फ्लोरेस भारत आए थे और पुट्टपर्थी में साईं बाबा से मुलाकात की थी। उस समय फ्लोरेस पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज की वकील थीं और मादुरो संसद के स्पीकर थे। बाद में मादुरो विदेश मंत्री बने। साईं बाबा के निधन पर वेनेजुएला की संसद ने शोक प्रस्ताव पास किया और एक दिन का राष्ट्रीय शोक भी घोषित किया गया।

राष्ट्रपति कार्यालय में साई बाबा की तस्वीर मादुरो के राष्ट्रपति कार्यालय में साई बाबा की तस्वीर भी लगी रही है। उनके शासन में साईं संगठन को वेनेजुएला में काम करने की अनुमति मिली। अब जब मादुरो अमेरिका की कुख्यात जेल में बंद है, उनके पुराने आध्यात्मिक विश्वास फिर चर्चा में है।

अब इन 5 देशों पर टूट पड़ेगा अमेरिका, ट्रंप का प्लान आउट हो गया!

अमेरिका

अमेरिका से 25 किमी दूर वेनेजुएला में घुसकर अमेरिका ने जिस तरह राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार किया उसने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया है।

महज 30 मिनट और वेनेजुएला के राष्ट्रपति को यूएस की डेल्टा फोर्स कैप्चर कर लेती है और यूएस ले आती है। मगर अमेरिका क्या यहीं रुकने वाला है? सवाल अब उठने लगे हैं वेनेजुएला के बाद और किन-किन देशों पर यूएसए स्ट्राइक करेगा?

अमेरिका का अगला टारगेट कौन सा देश

अमेरिका की विदेश नीति जिस तरह से बदलती हुई दिख रही है उससे कई देशों पर खतरा मंडराने लगा है। अमेरिका का

रणनीतिक बदलाव ना केवल उसकी भूमिका को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है बल्कि उसके पड़ोसी देशों और दुश्मनों में सुरक्षा और कूटनीतिक चुनौतियों को जन्म दे रहा है। अमेरिका के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय संकेत जो बताते हैं कि उसकी विदेश नीति कुछ और देशों पर केंद्रित हो सकती है। वह खासकर ऐसे देश होंगे जिनका अमेरिका से मतभेद या वैचारिक टकराव रहा है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण संभावित लक्ष्य के रूप में ईरान का नाम सबसे पहले सामने आ रहा है।

कुछ एक्सपर्ट्स के अनुसार ट्रंप प्रशासन पहले ही ईरान के खिलाफ सैन्य कारवाई की धमकी दे चुके हैं और पिछले सप्ताह उसने ईरान पर नजर रखने की बात भी कही। ऐसे में आशंका यह है कि अगर अमेरिका को लगता है कि उसकी सुरक्षा या ऊर्जा हितों पर कोई प्रत्यक्ष खतरा है तो वह मध्य पूर्व में एक्शन लेने से नहीं हिचकेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ दिन पहले ही ईरान को लेकर एक बड़ा बयान भी दिया था। उन्होंने ईरान में इस्लामिक रिजीम के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया।

ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाता है और उसे बेरहमी से मारता है जो कि उसकी आदत है तो अमेरिका प्रदर्शनकारियों को बचाने के लिए जरूर आएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की मदद के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं ट्रंप के इस बयान के कई मायने भी निकालने शुरू हो चुके हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा